mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-115 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

28 अप्रैल 2025 सोमवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

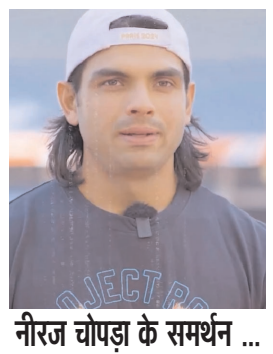

नीरज चोपड़ा के समर्थन ...

@ पेज 7

प्रशांत किशोर ने बिहार सरकार के खिलाफ शुरू किया अभियान

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने रविवार (27 अप्रैल) को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि बिहार में नीतीश कुमार सरकार के खिलाफ

● नीतीश कुमार के गांव से होगी शुरुआत

हस्ताक्षर अभियान अगले महीने मुख्यमंत्री के पैतृक गांव से शुरू किया जाएगा। यह घोषणा नालंदा जिले के हरनौत विधानसभा क्षेत्र में की गई, जहां से जेडी(यू) अध्यक्ष ने 1980 के दशक में अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। प्रशांत किशोर

ने कहा, ÷हम अक्सर सुनते हैं कि भले ही नीतीश कुमार ने राज्य के लिए बहुत कुछ नहीं किया हो, लेकिन उन्होंने अपने गृह जिले में विकास किया है। इस मिथक को तोड़ने के लिए हमने 11 मई को कल्याण बिगहा से अपना हस्ताक्षर अभियान शुरू करने का फैसला किया है।÷

नीतीश कुमार के खिलाफ अभियान

चलाएंगे नीतीश कुमार: पूर्व चुनाव रणनीतिकार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ÷सभी को पता होना चाहिए कि नीतीश कुमार के अपने गांव में क्या स्थिति है। हम गरीब परिवारों को 2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता जैसे वादों को पूरा करने में उनकी सरकार की विफलता को उजागर करेंगे। सीएम ने विधानसभा को बताया है कि राज्य भर में 94 लाख परिवार हैं जो इस तरह की मदद के लिए पात्र हैं। लेकिन, ऐसा लगता है कि यह वादा पीएम नरेंद्र मोदी की हर बैंक खाताधारक को 15 लाख रुपये देने की बात की तरह एक और नौटंकी है।÷

प्रशांत किशोर क्या बोले?

प्रशांत किशोर ने कहा कि राज्य सरकार की अन्य कथित विफलताओं को उनकी पार्टी उजागर करेगी, जिसमें दलितों को खेती करने के लिए दो डेसिमल भूमि देने का वादा और चल रहे भूमि सर्वेक्षण में भारी भ्रष्टाचार शामिल है। उन्होंने कहा, ÷मुख्यमंत्री, जो दो दशकों से सत्ता में हैं, उनके अपने ही गांव में तथाकथित उपलब्धियों के पीछे की वास्तविकता का पता लगाना दिलचस्प होगा।÷ %जन सुराज उद्घोष यात्रा% के तहत प्रशांत किशोर आज एक दिवसीय दौरे पर नालंदा पहुंचे। नालंदा पहुंचने पर प्रशांत किशोर ने सबसे पहले बिहारशरीफ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसके बाद बिहारशरीफ और रहुई समेत कई जगहों पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

संक्षिप्त समाचार

पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार होने के बाद समाधि स्थल जनता के लिए खुला

वेटिकन सिटी (एजेंसी)। रोम के कैथोलिक श्रद्धालुओं ने रविवार से पोप फ्रांसिस के अंतिम विश्राम स्थल पर पहुंचना शुरू कर दिया। इस अंतिम विश्राम स्थल को जनता के लिए खोले जाने के बाद श्रद्धालुओं ने सेंट मैरी मेजर बेसिलिका में स्थित सफेद रंग के समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। एक दिन पहले ही

दुनियाभर की दिग्गज हस्तियों समेत हजारों लोगों की भीड़ ने पोप फ्रांसिस को अंतिम विदाई दी थी। समाधि स्थल (अंतिम विश्राम स्थल) पर एक सफेद गुलाब रखा गया था जिस पर 'फ्रांसिस्कस' लिखा था - जो लैटिन भाषा में पोप का नाम है। समाधि पर एक रोशनी अपनी आभा बिखेर रही थी और उसके ऊपर की दीवार पर दिवंगत पोप के 'पेक्टोरल क्रॉस' की प्रतिकृति थी। लोग आगे बढ़ रहे थे, कई लोग अपने फोन से तस्वीरें भी खींच रहे थे। व्यवस्थापक लोगों से आगे बढ़ते रहने का आग्रह कर रहे थे ताकि समाधि के दर्शन के लिए रोम बेसिलिका में उमड़ी हजारों की भीड़ को व्यवस्थित किया जा सके। समाधि स्थाल के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लग गई थीं।

काठमांडू में प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों और पुलिस के बीच झड़प

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल की राजधानी काठमांडू में रविवार को शिक्षा में सुधार और वेतन वृद्धि की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान दो पक्षों के बीच झड़प हो गई। झड़प में कम से कम सात शिक्षक और कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि पुलिस ने काठमांडू में सख्त रुख दिखाया है।

प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक शिक्षक नया बनेश्वर क्षेत्र के प्रतिबंधित इलाके में प्रवेश करना चाहते थे। शिक्षक सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश कर रहे थे जिसके बाद हजारों आंदोलनकारी शिक्षकों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और पानी की बौछार की। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि झड़पों में कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से आए हजारों स्कूल शिक्षक स्कूली शिक्षा में सुधार तथा वेतन एवं भत्तों में वृद्धि की मांग को लेकर काठमांडू में लगभग एक महीने से प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मुख्य मांग संसद द्वारा स्कूल शिक्षा विधेयक पारित करना है। पिछले सप्ताह, आंदोलनकारी शिक्षकों की चिंताओं का समाधान करने में विफल रहने के कारण शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री बिद्या भट्टाराई को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था। अब रघुजी पंटा को मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है।

मंगेतर को शॉपिंग के लिए बुलाया, किया दुष्कर्म फिर शादी से मुकरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के कोतमा में एक शख्स अपनी मंगेतर को शॉपिंग के बहाने बुलाया और उसे अपने घर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद वह शख्स अपनी मंगेतर से शादी करने से मुकर गया। पीड़ित मंगेतर ने आरोपी के खिलाफ कोतमा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस विभिन्न धाराओं के तहत आरोपी के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध कर जांच में जुट गई है। आरोपी कोतमा में बगैहा टोला का रहने वाला है। उसका नाम शिवम मिश्रा है। शिवम ने अपनी होने वाली पत्नी को शादी की शॉपिंग करने के लिए उसे अपने यहां बुलाया था। जिसके बाद वह अपनी मंगेतर को शॉपिंग कराने पहले कोतमा बाजार लेकर गया। फिर घर दिखाने के बहाने उसे अपने घर ले जाकर उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाया और फिर बाद में शादी करने से भी मना कर दिया। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ की रहने वाली पीड़िता का आरोपी शिवम मिश्रा से दिनांक 25 मई 2025 को शादी होनी थी। शादी सेट होने के बाद दोनों की फोन पर बातचीत होने लगी थी। जिस पर दिनांक 06 फरवरी 2025 को आरोपी शिवम मिश्रा ने फोन पर कहा कि तुम कोतमा आ जाओ और शादी के लिए अपने पसंद के कपड़े ले लो। अपने होने वाले पति के आदेश को सर्वोपरि मानते हुए पीड़िता अपनी एक सहेली के साथ कोतमा रेलवे स्टेशन आ गई। जहां आरोपी पीड़िता को अपनी मोटरसाइकिल पर बैठा कर उसे कपड़े खरीदवाने कोतमा बाजार ले गया।

राज्य सरकार कर रही पहचान

27-29 अप्रैल तक पाकिस्तानियों का वीजा हो जाएगा रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई है। इस हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा को रद्द करने का फैसला लिया है। इसके मद्देनजर 27 अप्रैल से प्रभावी निर्देश के तहत पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उन्हें देश से बाहर निकालने को लेकर राज्य सरकारों द्वारा की जा रही कार्रवाई को सरकार ने प्रेरित किया है। अधिकारियों ने कहा कि व्यवसाय, तीर्थयात्रा, आगंतुक या पर्यटक वीजा रखने वालों को शनिवार शाम तक देश छोड़ने का निर्देश दिया गया था, जबकि मेडिकल वीजा पर व्यक्तियों को 29 अप्रैल तक समय दिया गया है। पंजाब में अटारी सीमा पर, प्रोटोकॉल अधिकारी अरुण पाल ने इस कदम की पुष्टि करते हुए कहा, ÷आज व्यापार, तीर्थयात्रा, आगंतुक, या पर्यटन वीजा के लिए उन लोगों के लिए अंतिम तारीख है। उन्हें मेडिकल वीजा पर 29 अप्रैल तक बाहर निकलना होगा।÷

तेलंगाना के डीजीपी जितेंदर ने कहा कि, आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, तेलंगाना के हैदराबाद में मुख्य रूप से 230 पाकिस्तानी नागरिक वर्तमान में हैं। इनमें से, 199 लोगों को लॉन्ग टर्म वीजा दिया गया है, जो आमतौर पर भारतीय नागरिकों से विवाहित हुए लोगों के लिए जारी किया जाता है या फिर उनके बीच खून का संबंध हो। इसके अलावा बाकी लोग, चिकित्सा, व्यवसाय या अल्पकालिक वीजा पर मौजूद हैं। अधिकारियों ने मेडिकल वीजा पर पाकिस्तानी नागरिकों को 29 अप्रैल तक छोड़ने का निर्देश दिया है।

जानकारी के मुताबिक, वर्तमान में 92 पाकिस्तानी नागरिक कर्नाटक में रह रहे हैं, जो मैसुरु, उत्तरा कन्नड़, तमाकुरु और दावणागेरे जिलों में हैं। इनमें से, केवल चार लोग ऐसे हैं जिनके पास लॉन्ग टर्म वीजा नहीं है। उन्हें तत्काल भारत छोड़ने का निर्देश दे दिया गया है। पुलिस ने कहा कि इन लोगों के साथ संपर्क स्थापित किया गया है और बिना देरी के निर्देशों का पालन करने के लिए कहा गया है। बता दें कि इनमें 12 महिलाएं और 3 बच्चे भी शामिल हैं।

भारत सरकार की सख्ती से परेशान हुए हजारों पाकिस्तानी हिंदू

बालाघाट (एजेंसी)। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत सरकार ने सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करते हुए उन्हें देश छोड़ने का आदेश दिया है। इससे राजस्थान के जैसलमेर के सीमावर्ती गांवों में रहने वाले पाकिस्तानी नागरिक परेशान हो गए हैं। ये लोग भारत में अल्पकालिक और दीर्घकालिक वीजा पर रह रहे थे। जैसलमेर में , 6,000 से अधिक पाकिस्तानी नागरिक दीर्घकालिक वीजा पर रहते हैं, जबकि राजस्थान में 20,000 पाकिस्तानी नागरिक हैं। पाकिस्तानी नागरिकों को विदेशी पंजीकरण कार्यालय (एफआरओ) और अन्य संबंधित विभागों द्वारा सरकारी आदेशों के बारे में सूचित किया जा रहा है, जिसमें कहा गया है कि उन्हें भारत छोड़ना पड़ सकता है। अल्पकालिक वीजा पर यहां रह रही पाकिस्तानी नागरिक राधा भील को महज तीन दिन पहले उसका दो साल का बच्चा मिला, जिसे वह पड़ोसी देश में छोड़ आई थी, क्योंकि बच्चे के लिए पहले वीजा जारी नहीं हुआ था। बच्चा महज दो महीने का था जब वह उसे भारत आने के लिए पाकिस्तान में छोड़ आई थी। राधा ने गर्भवती होने पर भारतीय वीजा के लिए आवेदन किया था और बेटे को जन्म देने के बाद उसे वीजा जारी कर दिया गया था। हालांकि, वह अपने नवजात बेटे के लिए वीजा का इंतजाम नहीं कर पाई और उसे पाकिस्तान में ही छोड़ना पड़ा। दो साल बाद, उसके बेटे को वीजा मिल गया और वह अपने माता-पिता के पास जैसलमेर आ गया। उसे डर है कि उसे अपने बेटे को फिर से पड़ोसी देश भेजना पड़ेगा।

भोपाल में तीन तो इंदौर में 200 से अधिक पाकिस्तानी नागरिक

27 अप्रैल तक भारत छोड़ने के आदेश

भोपाल (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ देने को कहा गया है। भारत सरकार ने शॉर्ट टर्म, मेडिकल और टूरिस्ट वीजा पर भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को 27 अप्रैल तक भारत छोड़ने के आदेश दिए हैं। इसके मद्देनजर मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में भी पुलिस और प्रशासन पूरी मुस्तैदी से इस अभियान में जुट गए हैं। पासपोर्ट विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी संबंधित नागरिकों की पहचान कर उनकी जल्द से जल्द वापसी सुनिश्चित करें।

सूत्रों के मुताबिक, इंदौर में इस समय 200 से अधिक पाकिस्तानी सिंधी नागरिक शॉर्ट टर्म वीजा पर रह रहे हैं। इनमें से कई लोग व्यापारिक गतिविधियों, धार्मिक यात्राओं या पारिवारिक कारणों से आए थे, जबकि कुछ परिवार यहां स्थायी निवास का सपना भी देख रहे थे। अब, इन सभी को 27 अप्रैल तक भारत छोड़ने के आदेश दिए गए हैं। इंदौर पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पासपोर्ट विभाग लगातार पाकिस्तानी नागरिकों से संपर्क कर रहा है और उन्हें वाघा बॉर्डर के जरिए वापस भेजने की प्रक्रिया समझाई जा रही है। इस पूरे अभियान की निगरानी

एडिशनल डीसीपी प्रियंका धुर्वे कर रही हैं।

राजधानी भोपाल में तीन पाकिस्तानी वीसा लेकर आए हैं। इनमें एक हिंदू और दो मुस्लिम युवक बताई जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तानी हिंदू ने डेडलाइन देने से पहले आवेदन दे रखा था, उस पर विचार हो रहा है। बाकी दो के बारे में कुछ टेक्निकल इश्यू है, केंद्र सरकार से शाम 5ः00 बजे तक सर्कुलर का इंतजार है। इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव एडीजी इंटेलीजेंस शामिल हुए थे।

दिल्ली में अधिकारियों की छुट्टियों पर रोक

दिल्ली सरकार ने आगामी मानसून की तैयारी के लिए लिया निर्णय

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी से एक बड़ी खबर सामने आई है। दिल्ली सरकार ने आगामी मानसून की तैयारी के लिए तीन विभागों के अधिकारियों की छुट्टियों पर रोक लगा दी है। इसमें लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग शामिल हैं। मिली जानकारी के अनुसार, सरकार ने अधिकारियों की छुट्टियों पर 15 सितंबर तक रोक लगाई है। इस संबंध में एक आदेश को जारी किया गया है। अधिकारियों ने सामान्य प्रशासन विभाग यानी जीएडी के आदेश के हवाले से बताया कि अत्यंत चिकित्सीय आपात स्थिति को छोड़कर 15 सितंबर तक जूनियर इंजीनियर और उससे ऊपर के किसी भी लेवल के किसी भी कर्मचारी की छुट्टी स्वीकृत या अनुशंसित नहीं की जाएगी।

आदेश में कहा गया, ÷चूंकि मानसून नजदीक आ रहा है, इसलिए नालों की सफाई, जलभराव और बाढ़ को रोकने, सड़कों की मरम्मत और शहर भर में सड़कों

एवं नालों में जमे मलबे तथा गाद को हटाने के लिए बड़े पैमाने पर काम करना होगा।÷

400 से जलभराव वाली जगहों की पहचान: राष्ट्रीय राजधानी में अधिकारियों ने पिछले कुछ सालों में 400 से जलभराव वाली जगहों की पहचान की है। पुरानी नालियों और गाद के जमाव सहित कई वजहों से मानसून के दौरान जलभराव की समस्या बार-बार सामने खड़ी हो जाती है। जल एवं लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा था कि लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत सभी 1,400 किलोमीटर नालों की सफाई 31 मई तक कर दी जाएगी और अन्य एजेंसियां ??भी अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत नालों की सफाई के लिए काम कर रही हैं।

पहलगाम हमले पर संसद का विशेष सत्र बुलाएगी सरकार?

कपिल सिब्बल ने राजनीतिक दलों से किया अनुरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या पहलगाम हमले पर सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाएगी? यह सवाल उठाया है राज्यसभा में निर्दलीय सदस्य कपिल सिब्बल ने। उन्होंने रविवार को राजनीतिक दलों से अनुरोध किया कि वे पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर मई में जल्द से जल्द संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए सरकार से आग्रह करें। सिब्बल ने कहा, ''मैंने 25 अप्रैल को सुझाव दिया था कि दुख की इस घड़ी में देश की एकता प्रदर्शित करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''मैं सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध करता हूं कि वे सरकार से मई में जल्द से जल्द ऐसा सत्र बुलाने का आग्रह करें।'' सिब्बल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संसद का विशेष सत्र बुलाने और पहलगाम आतंकी हमले

की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया था ताकि दुनिया को यह संदेश दिया जा सके कि देश एकजुट है। सिब्बल ने सरकार को सत्तारूढ़ और विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडलों को विभिन्न महत्वपूर्ण देशों में भेजने का सुझाव भी दिया था ताकि पाकिस्तान पर कूटनीतिक दबाव बनाया जा सके।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जिस तरह अमेरिका प्रतिबंध जैसे कदम उठाता है उसी तरह भारत को पाकिस्तान के साथ व्यापार संबंध रखने वाले सभी प्रमुख देशों से कहना चाहिए कि अगर वे इस्लामाबाद के साथ व्यापार करते हैं तो वे भारतीय बाजार में नहीं आ सकते। पार्टी लाइन से हटकर नेताओं ने आतंकवाद और आतंकवादियों के शिविरों के खिलाफ ''निर्णायक कार्रवाई'' का आह्वान किया था और सरकार को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया था। पहलगाम हमले पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक के दौरान सरकार ने कहा था कि वह सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय कर रही है। इसने नेताओं को आतंकवाद तथा इसके समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में पहलगाम के पास बैसरन घाटी में आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाकर हमला किया और 26 लोगों की हत्या कर दी। करीब 17 लोग इस हमले में घायल हो गए।

लड़की को छेड़ रहे तीन मनचलों को भीड़ ने नंगा करके पीटा

अलीगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में लोधा थाना क्षेत्र के चिखावटी गांव तीन युवकों को नंगा करके पीटने का मामला सामने आया है। दरअसल यहां एक राह चलती लड़की को तीन युवक छेड़ रहे थे और अश्लील कमेंट कर रहे थे। इस दौरान छात्रा शोर मचाने लगी। छात्रा की शोर सुनकर वहां राहगीर इकट्ठा हो गए और उन्होंने तीनों मनचलों को पकड़ लिया। राहगीरों ने इसके बाद तीनों लड़कों को नंगा करके पीटा। इस दौरान उनकी पिटाई का वीडियो भी बना लिया गया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। पुलिस ने इस मामले में तीन युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। दरअसल सोशल मीडिया पर अलीगढ़ का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग कुछ युवकों को नग्न करके लाठी डंडों से पीट रहे हैं। इस वीडियो को कुछ लोगों द्वारा यह बताकर वायरल किया जा रहा है कि ठाकुर समुदाय के लोगों द्वारा जय भीम कहने पर दलित युवकों की पिटाई की जा रही है। हालांकि इस वीडियो की कहानी कुछ और ही है। लोधी थाना क्षेत्र के गांव चिखावटी का यह पूरा मामला है। दरअसल जब चिखावटी गांव की एक छात्रा कॉलेजे जा रही थी, तब इन तीन युवकों ने उस पर अश्लील कमेंट करना शुरू कर दिया। इसपर जब छात्रा ने शोर मचाया, तब वहां भीड़ इकट्ठा हो गई और उन्होंने तीनों युवकों की पिटाई की। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। इस मामले पर सीओ गभाना संजीव तोमर ने बताया कि दिनांक 26 अप्रैल 2025 कोथाना लोधा क्षेत्र में चिखावाटी गांव के पास तीन लड़कों द्वारा एक स्कूली छात्रा के साथ अश्लील कमेंटबाजी फब्तियां कसी जा रही थी। इस संबंध में छात्रा के शोर मचाने पर आने जाने वाले राहगीरों ने तीनों लड़कों की पिटाई की।

खेल अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रदर्शन कर जीते 3 स्वर्ण पदक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। 28वें राष्ट्रीय फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप-2025 का आयोजन कोच्चि में हुआ। कोच्चि में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेल अकादमी के एथलेटिक्स खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 03 स्वर्ण पदक जीते। पोल वोल्ट में श्री देव मीणा ने मध्यप्रदेश पोल वोल्ट इवेन्ट में 5.35 मी छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीत कर राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया। महिला 3000 मी. स्टीपलचेस में कु. मंजू यादव ने 10ः34.08 सेकेण्ड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। शॉट-पुट इवेन्ट में समरजीत सिंह ने शॉट-पुट इवेन्ट में 19.34 मी. दूर गोला फेंक कर स्वर्ण पदक जीतकर एशियन गेम्स-2026 जापान के लिए पात्रता प्राप्त की। मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने खेल अकादमी के सभी पदक विजेता खिलाड़ियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन की सरहाना की है। उन्होंने समरदीप सिंह के एशियन गेम्स में पात्रता प्राप्त करने पर बधाई दी है।संचालक खेल और युवा कल्याण श्री राकेश गुप्ता ने समरदीप, मंजू यादव और देवा मीणा के प्रदर्शन की मुक्त कंठ से सराहना की है। उन्होंने इसे सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों की कड़ी मेहनत का परिणाम बताया है।

मेपकास्ट द्वारा नवप्रवर्तन को प्रोत्साहन देने के लिये विश्व बौद्धिक संपदा दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में बौद्धिक संपदा अधिकार और इसकी उपयोगिता के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा सरोजिनी नायडू कन्या महाविद्यालय,शासकीय कमला नेहरू कन्या उच्चतर माध्यमिक स्कूल, ओरियंट स्कूल एवं द आइकॉनिक स्कूल में 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में डॉ. अजय चौबे, श्री शैलेन्द्र कसेरा ने बौद्धिक संपदा के विविध पहलुओं जैसे कॉपीराइट, पेटेंट और ट्रेडमार्क की गहन जानकारी दी। उन्होंने रोचक उदाहरणों से यह समझाया कि कैसे विद्यार्थी अपने नवाचार और मौलिक रचनाओं के ज़रिए पेटेंट प्राप्त कर सकते हैं और इससे आर्थिक लाभ भी अर्जित कर सकते हैं। इसके साथ ही अपने संबोधन में नवाचार, अनुसंधान और बौद्धिक संपदा संरक्षण के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित किया कि वे अपनी कल्पनाशक्ति और सृजनशीलता को संरक्षित कर देश के विकास में योगदान दें। कार्यक्रम में छात्रों ने बौद्धिक संपदा के महत्व को समझते हुए नवाचार करने का संकल्प लिया। सभी विद्यालयों के प्राचार्य सहित शिक्षकों ने परिषद के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों में रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने नवाचार को बौद्धिक संपदा के रूप में पंजीयन कराने और उसके व्यवसायीकरण पर जोर दिया है।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार (नवाचार) वर्ष 2025 के लिए आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शासकीय सेवाओं में नवाचार एवं उत्कृष्ट कार्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा प्रतिवर्ष 'मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार (नवाचार)' प्रदान किया जाता है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए वर्ष 2024-25 में किये गए नवाचारों हेतु आवेदन आमंत्रित किए गये हैं। आवेदन वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन किये जा सकेंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। शासकीय सेवाओं में नवाचार एवं उत्कृष्ट कार्यों को बढ़ावा देने प्रदान किये जाने वाले वार्षिक 'मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार (नवाचार)' के लिए प्रदेश के शासकीय और सार्वजनिक संस्थानों के अधिकारी-कर्मचारी एक अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक किये गए नवाचारों के आधार पर आवेदन कर सकेंगे।

समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को, उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ उपलध करना सरकार की जिमेदारी : उप मुयमंत्री देवड़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि हमारी सरकार समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को, उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध करवाने के लिए दृढ़-संकल्पित है। श्री देवड़ा आज इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा मंदसौर के कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में आयोजित चिकित्सा सम्मेलन दशपुरकॉन 2025 में सहभागिता कर उपस्थित प्रबुद्ध नागरिकों व सम्माननीय चिकित्सकों को संबोधित कर रहे थे।

उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि हमारी सरकार ने मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के व्यापक विस्तार, चिकित्सा शिक्षा में गुणात्मक सुधार, तकनीकी नवाचारों के समावेशन एवं दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की पहुँच सुनिश्चित किया है। %सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय% के भाव के अनुरूप हमारी सरकार का यह अटल एवं दृढ़ संकल्प है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक, विशेषकर समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध करवाई जाएँ। इससे न केवल स्वस्थ मध्यप्रदेश का निर्माण होगा, अपितु एक समृद्ध, सशक्त और विकसित मध्यप्रदेश की परिकल्पना भी साकार होगी।

इस अवसर पर सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, पूर्व मंत्री श्री कैलाश चावला सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, चिकित्सक एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।

एक्सीलेंस कॉलेज में पेड़ काटने का मामला-जांच में बताया- 30 सेमी के पेड़ कटे, जबकि मोटाई 40

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कलियासोत डेम के पास स्थित एक्सीलेंस कॉलेज प्रबंधन ने 100 से ज्यादा पेड़ बिना अनुमति के कटवा दिए। नगर निगम की उद्यान शाखा के अमले ने जांच की खानापूर्ति करते हुए अपनी रिपोर्ट में पहले तो पेड़ काटे जाने से ही इनकार कर दिया। जब दैनिक भास्कर ने मामला उजागर किया तो निगम अफसरों ने दोबारा जांच करने के निर्देश दिए। दूसरी रिपोर्ट में पेड़ काटने की बात तो कही गई, लेकिन उनके तने की मोटाई 30 सेंटीमीटर से कम बताई गई। यह दावा भी किया गया कि इन पेड़ों को काटने के लिए अनुमति लेना जरूरी नहीं होता है। जबकि, हकीकत इसके उलट है। यहां काटे गए अनेक पेड़ों के तने की गोलाई 30 सेमी से अधिक है। 'एक्सीलेंस कॉलेज में 100 से ज्यादा पेड़ बिना अनुमति काटेज छिपाने के लिए बताया झाड़ी' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण ने जांच कराने को कहा। उद्यान शाखा की प्रभारी सहायक आयुक्त कीर्ति चौहान ने अपने स्टाफ को भेजकर जांच कराई। रिपोर्ट में एक भी पेड़ नहीं काटने का दावा किया गया। 25 अप्रैल को खुद कीर्ति चौहान मौके पर पहुंचीं। इसके बाद दी गई रिपोर्ट में 30 सेंटीमीटर से कम मोटे तने वाले कुछ पेड़ काटे जाने का दावा किया गया। 26 अप्रैल को एक बार फिर पेड़ों की स्थिति देखी। तब काटे गए बड़े पेड़ के ठूंठ कचरा डालकर झाड़ियों से ढंके मिले।

प्रधानमंत्री की मन की बात का उप मुयमंत्री श्री शुल ने किया श्रवण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात का उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने भोपाल से रीवा यात्रा के दौरान श्रवण किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का उद्बोधन और मार्गदर्शन सदैव ही प्रेरणास्पद होता है। उनके विचार नई ऊर्जा और सकारात्मकता प्रदान करते हैं।

भोपाल में 31 फीसदी डिलीवरी ऑपरेशन से, जबकि आदर्श दर 15 प्रतिशत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राजधानी में हर तीसरी डिलीवरी सीजेरियन सर्जरी से हो रही है। जिला स्वास्थ्य विभाग के हाल ही में जारी तीन वर्षों के जारी आंकड़ों के अनुसार, सरकारी और निजी अस्पतालों में करीब 31 फीसदी महिलाएं ऑपरेशन से बच्चों को जन्म दे रही हैं।

जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, किसी भी राज्य या जिले में सीजेरियन डिलीवरी की आदर्श दर 10 से 15 फीसदी के बीच होनी चाहिए। डब्लूएचओ के अनुसार, जब सीजेरियन दर 10 फीसदी तक होती है, तो मातृ और शिशु मृत्यु दर में कमी आती है। लेकिन 10 फीसदी से ज्यादा होने पर इसका कोई अतिरिक्त लाभ नहीं दिखता।

अत्यधिक सीजेरियन डिलीवरी से संक्रमण, अत्यधिक रक्तस्राव, एनेस्थीसिया रिएक्शन और भविष्य में गर्भावस्था संबंधी जटिलताएं बढ़ सकती हैं। सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि भोपाल में प्रदेश भर से हाई रिस्क गर्भवती महिलाएं इलाज के लिए आती हैं। इससे ऑपरेशन की दर बढ़ती है। जच्चा-बच्चा की सुरक्षा और मृत्यु दर कम करने के लिए स्टाफ को ट्रेनिंग दी जा रही है। सभी अस्पतालों में जरूरी उपकरण भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

जिला योजना समिति का चुनाव कराने का आदेश लिया वापस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र जिला योजना समिति के लिए पूर्व में जारी आदेश को विभाग ने वापस ले लिया है। अब नई गाइडलाइन जारी होगी और उसी के अनुसार समिति के चुनाव होंगे। दरअसल, इस आदेश के जारी होने के एक दिन पहले हरदा जिले में जिला योजना समिति के चुनाव हुए। जिसमें एक कांग्रेस पार्षद का बतौर सदस्य चयन हो गया। जबकि हरदा नगर पालिका में भाजपा पार्षदों का बहुमत था।

पता चला कि कांग्रेस पार्षद वहां क्रॉस वोटिंग की मदद से चुनाव जीत गए। जब यह जानकारी सामने आई, तो भोपाल तक हंगामा हो गया। हरदा में भाजपा नेताओं ने यहां तक बयान दिए कि किसी व्यक्ति विशेष से नाराजगी है, तो पार्टी फोरम पर अपनी बात रखें। इस तरह से क्रॉस वोटिंग न करें। लेकिन इस मामले को प्रदेश स्तर पर गंभीरता से लिया गया। हरदा चुनाव परिणाम के अगले ही दिन योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग ने एक आदेश सभी कलेक्टरों के लिए जारी किया कि जिला योजना समिति के गठन को लेकर पूर्व में जो आदेश जारी किया गया था, उसे तत्काल वापस लिया जाता है। वहीं, अगली गाइडलाइन को लेकर अलग से सूचना देने की बात कही गई है। यह समिति जिला पंचायत, ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद और नगर निगम की विकास योजनाओं का समन्वय करती है।

पैसों की तंगी...स्सीएम इंफ्रा के 240 काम तो शुरू ही नहीं हुए, 400 से ज्यादा अधूरे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के तहत नगरीय निकायों में मंजूर सड़क, उद्यान, ब्रिज और जनसुविधाओं से जुड़े 240 से अधिक काम शुरू ही नहीं हो सके। वजह- वित्त विभाग ने इन प्रोजेक्ट के लिए राशि ही जारी नहीं की। खास बात यह कि इनमें से 128 काम मुख्यमंत्री की घोषणाओं के बाद मंजूर हुए थे। वहीं 400 से अधिक काम ऐसे हैं, जो पर्याप्त धनराशि नहीं मिल पाने के कारण अधूरे पड़े हुए हैं। यह स्थिति तब है जब इन कामों के लिए बीते वित्तीय वर्ष में 1690.28 करोड़ रुपए मंजूर किए गए थे, लेकिन इस स्वीकृत राशि में से पूरे वित्तीय वर्ष में सिर्फ 18 फीसदी राशि (304.07 करोड़) ही रिलीज की गई। नगरीय प्रशासन विभाग से मिली अधिकारिक जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के चौथे चरण में कुल 765 निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए थे। इनमें से 352 कार्य मुख्यमंत्री की घोषणा के आधार पर मंजूर किए गए, जबकि 413 काम नगरीय निकायों द्वारा भेजे गए प्रस्तावों में से स्वीकृत किए गए थे। इन कार्यों के लिए 735.48 करोड़ रुपए की राशि राज्य शासन द्वारा अनुदान की रूप में दी जानी थी, जबकि 954.80 करोड़ रुपए मप्र अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के माध्यम से राष्ट्रीय या निजी बैंकों से कर्ज के रूप में जुटाने थे। यह कर्ज लेने की प्रक्रिया एक माह पूर्व ही फरवरी 2025 में पूरी की जा सकी। इस देरी के कारण पूरा वित्तीय वर्ष ही बीत गया। मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के कामों के लिए सरकार ने फरवरी माह में कर्ज लिया था।

इसके लिए वित्त विभाग ने 3 फरवरी 2025 को हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (हुडको) को प्रत्याभूति विलेख जारी किया था। लेकिन तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी नहीं होने के कारण नगरीय निकायों को यह राशि नहीं मिल सकी है।

विश्व टीकाकरण सप्ताह में दी जा रही टीकों से रोकी जाने वाली बीमारियों की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। टीकाकरण जागरूकता के लिए विश्व टीकाकरण सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें की थीम पर टीकाकरण की पहुंच एवं जागरूकता को बढ़ाने के लिए गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

सप्ताह के दौरान रिक्त उप स्वास्थ्य केंद्रों, कम उपलब्धि वाले वार्डों, उप स्वास्थ्य केंद्रों एवं हाईरिस्क क्षेत्र में आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से जन्म से लेकर 5 वर्षों के बच्चों की सूची तथा ड्यू लिस्ट अनुसार टीकाकरण किया जा रहा है। पैरी अर्बन एरिया एवं मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के रहवासी परिवारों के बच्चों के टीकाकरण हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। मेडिकल ऑफिसर, एएनएम, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स, सुपरवाइजर, आशा कार्यकर्ताओं का उन्मुखीकरण किया जा रहा है। स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, चौपाल व चौराहा, मंदिर ग्राम प्रवेश दीवार पर टीकाकरण संबंधी नारे लेखन करवाया जा रहा है। भोपाल जिले में पिछले साल 60275 बच्चों को टीके लगाए गए हैं जिसका कवरेज 105त्न है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दिसंबर 2026 तक खसरा और रूबेला के निर्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। खसरा और रूबेला संक्रामक रोगों के शून्य मामलों के लक्ष्य प्राप्त करने के उद्देश्य की पूर्ति के लिए एमआर 1 एवं एमआर 2 अटीकाकृत बच्चों की जानकारी घर-घर जाकर ली जा रही है। जिले में 50789 बच्चों को एमआर 1 और 47928 बच्चों को एम आर 2 टीके लगाए गए हैं। प्रत्येक गर्भवती महिला को टीडी टीके का डोज सुनिश्चित करने के लिए टीकों का सत्यापन भी किया जा रहा है। मातृ एवं शिशु कार्ड में प्रविष्टियों की स्थिति भी देखी जा रही है। बच्चों के टीकाकरण से वंचित रहने की विस्तृत रूप से समीक्षा की जा रही है, ताकि कोई भी बच्चा इन टीकों से वंचित न रहे। कोविड-19 महामारी के संक्रमण की गंभीरता को कम करने में भी टीकाकरण ने अपनी भूमिका निभाई है। निजी क्षेत्रों में जिन टीकों की कीमत हजारों में है, वो सरकार निःशुल्क लगवा रही है।

अपने दो विधायकों से भाजपा नाराज, भोपाल बुलाया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश भाजपा में पार्टी लाइन छोड़कर बयानबाजी करने, पार्टी और सरकार की छवि खराब करने के मामले में भाजपा संगठन ने सख्त रवैया अपनाया है। भाजपा ने सतना के पूर्व जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा को पार्टी से बाहर निकाल दिया है। वहीं सागर की महापौर संगीता सुशील तिवारी को नोटिस थमाया है।

दरअसल, भाजपा ने पार्टी की छवि खराब करने के मामले में शनिवार को अपने दो विधायक प्रदीप पटेल और प्रीतम लोधी के साथ ही देवास की महापौर गीता अग्रवाल, सागर की महापौर संगीता सुशील तिवारी और बीना नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में तलब किया था।

इनमें से मऊगंज के विधायक प्रदीप पटेल और बीना नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार भोपाल पहुंचे। इनसे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और सीएम डॉ. मोहन यादव ने बात की। बुलाने के बावजूद विधायक प्रीतम लोधी, सागर और देवास की महापौर नहीं आईं। विधायक प्रदीप पटेल को सफाई देने के बाद भी नोटिस दिए जाने की संभावना है।

बीजेपी संगठन ने साफ कहा है कि पार्टी जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की बयानबाजी और कामों में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं करेगी। सभी से पार्टी लाइन का पालन करने को कहा गया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा है कि बुलाने पर भी न आने को लेकर सागर महापौर को नोटिस दिया जा रहा है। वहीं महिला से छेड़छाड़, अश्लील चैट वायरल करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में सतना के पूर्व जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।

अवैध कॉलोनियों पर और सख्ती होगी, संशोधन का ड्राफ्ट तैयार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र के नगरीय निकायों में लगातार बढ़ते अवैध निर्माणों के बीच मप्र सरकार सख्ती बढ़ाने की तैयारी में है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा मप्र नगरपालिका अधिनियम में संशोधन की तैयारी की है। इसमें न केवल जेल और जुर्माने को बढ़ाने का प्रावधान है बल्कि अवैध निर्माण रोकने नगरीय निकायों के अफसरों की जिम्मेदारी भी तय होगी।

अवैध निर्माण न रोक पाने पर निकायों के सब इंजीनियर से लेकर कमिश्नर तक जिम्मेदारी ठहराए जा सकेंगे। विभाग कई महीनों से एक्ट में संशोधन की तैयारी कर रहा है। ड्राफ्ट तैयार हो चुका है और नगरीय प्रशासन से शासन को भेजा जा चुका है।

बराज और पोइंधा कला में तालाब जीर्णोद्धार में सामूहिक श्रमदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने रविवार को रैगांव विधानसभा क्षेत्र के सोहावल जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत पोइंधा कला एवं बराज में जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्र म में सहभागिता कर ग्रामवासियों के साथ जल संरक्षण, संवर्धन और स्वच्छता के संकल्प को साझा किया। इस अवसर पर उन्होंने बराज और पोइधा कला के तालाब जीर्णोद्धार कार्य में सामूहिक श्रमदान किया। कार्यक्र म में जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह, एसडीएम एलआर जांगड़े, नायब तहसीलदार राजेश सिंह, सीईओ जनपद प्रतिपाल बागरी, सहायक यंत्री रोहित, प्रबंधक आजीविका मिशन स्वेता सिंह, सरपंच और ग्राम वासी उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि जल गंगा अभियान न केवल जल स्रोतों के पुनर्जीवन का संकल्प है, बल्कि भावी पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने का भी एक पवित्र प्रयास है। हम सब को मिलकर अपने जल स्रोतों का संरक्षण और "हर घर जल, हर खेत जल" के संकल्प को साकार करना है। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्ग जन जीवन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखते थे। इसलिए शहर और गांव की बसाहट नदियों के किनारे की गई। पानी जीवन के लिए महत्वपूर्ण होने के साथ पहली आवश्यकता भी है।पहले के समय में गांव के तालाब और नदियों में बारह महीने भरपूर जल रहता था। यह अभियान जन जागृति और जनसहयोग और भागीदारी का है। इस अभियान में सभी अपनी भागीदारी देकर अपने खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में ही रोकने का प्रयास करे।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल ने कहा कि हमारे पुरखे अपने खेतों और बड़े-बड़े बांधों में तीन महीने बरसात का पानी रोककर रखते थे। उनके बनाए गए तालाब, कुंआ, बावड़ी आज भी जीवंत है। जिस गांव के तालाब गर्मियों मे पानी से भरे रहते है, उन गावो के हैंडपंप और कुंए सूखा नही करते। जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह ने कहा कि बरसात का पानी नहीं रोककर और भू जल के अनियंत्रित दोहन से भूजल स्तर गिरा है। आज आवश्यक हो गया है कि जलस्रोत का पुनर्जीवन और बर्षा के जल का पुनर्भरण किया जाए। इसके लिए सभी हैंडपंप और नलकूपों में रिचार्ज पिट की सरंचना जल के पुनर्भरण में सहायक हो सकती हैं। जनपद सीईओ प्रतिपाल बागरी ने बताया कि ग्राम पंचायत नीमी के ग्राम बराज और पोइधकला के इन पुराने तालाबों के जीर्णोद्धार का कार्य बिरला कार्पोरेशन सतना के सीएसआर मद और मनरेगा योजना से कराए जा रहे हैं। बरसात में दोनों तालाबों की मेड़ पर पीपल, नीम, बरगद जैसे बृक्षो का रोपण भी किया जायेगा।

संजय गुप्ता बने पुस्तक विक्रेता संघ के रीवा जिलाध्यक्ष

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पुस्तक विक्रेता संघ रीवा के नवीन जिलाध्यक्ष के रूप में संजय गुप्ता को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। इस अवसर पर गुप्ता ने संगठन के सभी शीर्ष नेतृत्व, पदाधिकारियों और सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। गुप्ता ने विशेष रूप से संरक्षकगण कमलेश सचदेवा, नरेन्द्र गुप्ता और नरेश चुंगवानी (नारु भैया) के साथ-साथ वरिष्ठ व्यवसायी कमलेश अग्रवाल, मयंक गोयल और आदित्य मिश्रा का नाम लेते हुए उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उल्लेखनीय है कि संजय गुप्ता संगठनात्मक कार्यों में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। वर्ष 2017 में उन्हें भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ का जिला सह-संयोजक नियुक्त किया गया था। उनके सफल कार्यकाल और संगठन के प्रति समर्पण को ध्यान में रखते हुए पुस्तक विक्रेता संघ के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें यह नई जिम्मेदारी सौंपी है। नव नियुक्त जिलाध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में कहा, "जिला नेतृत्व द्वारा मुझ पर जो विश्वास व्यक्त किया गया है, मैं उस पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करूंगा तथा संगठन को और अधिक मजबूत एवं संगठित बनाऊंगा।" पुस्तक विक्रेता संघ रीवा की यह नियुक्ति न केवल संगठन की एकता को दर्शाती है, बल्कि युवा नेतृत्व को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

चित्रकूट में बैसाखी अमावस्या मेले का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने रविवार को जिले के प्रसिद्ध धार्मिक तीर्थस्थल चित्रकूट पहुंचकर बैसाखी अमावस्या मेले की सुरक्षा एवं भीड नियंत्रण के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने मोहकम गढ़ तिराहे से पीली कोठी तक बनने वाली टू लेन सड़क के निर्माण कार्य का अवलोकन किया और कार्य में तेजी लाकर समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता चित्रकूट के घाटों, कामतानाथ मंदिर, परिक्र मा स्थल सहित विभिन्न प्रमुखों चौराहों, आवागमन के मार्गों और स्थानों का भ्रमण कर निगरानी करते रहे।

उप मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस भवन का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नवीन सर्किट हाउस भवन का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। शीघ्र ही इसके लोकार्पण कराए जाने की संभावना है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने नवीन सर्किट हाउस भवन का निरीक्षण किया तथा इसके लोकार्पण के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने रीवा शहर में चल रहे निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा भी की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भीमराव अम्बेडकर के 134 वीं जन्म जयंती के अवसर पर व्याख्यान माला का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला सीधी के तत्वावधान में संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय सीधी के सभागार में भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर के 134 वीं जन्म जयंती के अवसर पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्र म में मुख्य अतिथि सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा, विशिष्ट अतिथि के रूप में साशी निकाय सदस्य कृष्णकांत द्विवेदी, इंजी. आशीष मिश्रा, डॉ मनोज सिंह और संजय गाँधी महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ रावेन्द्र बहादुर सिंह उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि डॉ राजेश मिश्रा ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में बाबा साहब के कृतित्व एवं संघर्षों पर तथ्यात्मक प्रकाश डाला। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बाबा साहब के विचारों को इस देश के संविधान के निर्माण में किये गये उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में वर्तमान में बाबा साहब के कीर्ति पताखा को चतुर्दिक फैलाने का कार्य हम सब कर रहें है। इसका उद्देश्य है कि भावी पीढ़ी उनके जीवन से प्रेरणा ले और हमारे समरस समाज की जड़ें मजबूत हो। जिला समन्वयक श्री शिवदत्त उर्मलिया ने विषय प्रवर्तन करते हुए व्याख्यान माला की भूमिका और जन अभियान के दृष्टिकोणों की चर्चा की। व्यख्यान माला में सभी वक्ताओं ने सामाजिक समरसता एवं अम्बेडकर जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अंत में गंगा जल संवर्धन अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण की प्रतिबद्धता के लिए जिला समन्वयक ने पर्यावरण गीत का सामूहिक गायन कराया। मंच का सफल संचालन अवनीन्द्र शुक्ला ने किया वहीं आभार प्रदर्शन विनय तिवारी ने किया।

एडीआर सेंटर भवन में मध्यस्थता जागरूकता शिविर का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर की अध्यक्षता में दिनांक 26 अप्रैल को ए.डी.आर. सेंटर भवन में मध्यस्थता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने उपस्थित न्यायाधीगण एवं अधिवक्तागण को मध्यस्थता के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण करने पर जोर दिया। इसके साथ ही जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक ने मध्यस्थता से होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताया।

सांसद रामजीलाल सुमन पर हमला यूपी में गुंडाराज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन पर अलीगढ़ में रविवार को हुए हमले पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव शिव सिंह ने कहा कि यूपी सरकार में गुंडाराज है योगी सरकार के गुंडो ने रामजी लाल सुमन के काफिले पर गोभाना टोल प्लाजा के पास हमला किया है उनके काफिले में शामिल गाड़ियों पर टायर और पत्थर फेंके इससे कई गाड़ियों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए हैं योगी सरकार के गुंडे लगातार सांसद रामजीलाल सुमन को धमकी देते रहे इसके बाद भी कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से पुलिस प्रशासन पर सवाल खड़े हो रहे हैं सपा सांसद रामजी लाल सुमन रविवार को आगरा से बुलंदशहर जा रहे थे उन्हें अलीगढ़ होते हुए बुलंदशहर जाना था दोपहर करीब दो बजे गोभाना टोल प्लाजा से काफिला निकलते ही असामाजिक तत्वों ने उनके काफिले पर टायर और पत्थर फेंकने शुरू कर दिए पत्थर लगने से कई गाड़ियों के शीशे टूट गए गाड़ियां आगे जाकर आपस में भी टकरा गईं ऐसी स्थिति में बड़ी जानलेवा घटनाएं भी हो सकती थी जो एक गंभीर आपराधिक कृत्य है योगी सरकार जानते हुए भी अज्ञान बनी हुई है उत्तर प्रदेश में गुंडाराज है यदि यही सिलसिला जारी रहा तो एक न एक दिन बीजेपी के लोग व उनके संगी साथी भी असामाजिक तत्वों व गुंडों का शिकार हो सकते हैं श्री सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लगातार पीडीए परिवार के साथ जुल्म ज्यादती हो रही है।

आरटीओ द्वारा 'जल ही जीवन है' की रशीद काटकर प्रतिदिन की जा रही वसूली

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला हमेशा अपने कारनामो के लिए सुर्खियों में बना रहता है चाहे अवैध बसूली को लेकर हो या अवैध परिवहन,अवैध बालू व खनिज उत्खनन हो या हर विभाग में भ्र्ष्टाचार का मामला हो।

जिन्हें लेकर लगातार शिकायते और खबरे प्रकाशित होती रहती है लेकिन अवैध बसूली,अवैध खनिज उत्खनन, बालू उत्खनन और भ्रष्टाचार पर जिम्मेदार अधिकारी मौन ही रहते है।

इसी तरह के मामले में रीवा आरटीओ विभाग भ्रस्टाचार की हद पार करता आ रहा है जहा पर आए दिन पूरे जिले में उड़नदस्ता टीम कही भी चेकिंग लगाकर इंट्री वसूली करते नजर आ जायेगे और इंट्री के नाम पर ट्रको को रोककर बसूली करते है यदि किसी ट्रक ड्राइवर ने पैसे देने से मना कर दिया तो उसके साथ मारपीट पर उतारू हो जाते है। अभी आरटीओ विभाग का उड़नदस्ता टीम ने बसूली करने का नया तरीका अपनाया है जिनके द्वारा रिंग रोड हाइवे में खड़े होकर ट्रकों को व अन्य वाहनों को रोककर इंट्री के नाम पर 2000 रुपये से 3000 रुपये तक की जल ही जीवन है कि रसीद में ट्रक का नंबर लिख कर दिया जाता है जबकि जो भी चलानी रसीद होती है उसमें शुल्क लिखा होता है लेकिन आरटीओ विभाग रीवा सारे नियम कायदों को दरकिनार दिन रात्रि अवैध बसूली में लगा रहता है वही ट्रक चालकों का कहना है विरोध करने पर ट्रकों को खड़ा करा दिया जाता है या तो मारपीट पर उतारू हो जाते है जबकि ट्रक चालकों के पास परिवहन करने के सभी कागजात उपलब्ध होते है इसके बाद भी जबरजस्ती अवैध बसूली की जाती है। सवाल यही की लगातार शिकायत एवं खबरों का प्रकाशन होने के बाद भी जिला प्रशासन के द्वारा आरटीओ विभाग के खिलाफ कार्यवाही क्यो नही की जाती है? क्या पूरे मामले में जिला प्रशासन एवं चुने हुए जनप्रतिनिधियों का हाथ है।

जवा बाजार में खुली मदिरा दुकान को हटाने की उठी मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा/जवा (निप्र)। जिला प्रशासन के अनदेखी और जिला आबकारी विभाग के निष्क्रिय रवैये के चलते मदिरा दुकान संचालक अपनी मनमानी पर उतारू रहते हैं। दुकान संचालक ठेका लेने के बाद जहाँ चाहता है वही पर दुकान सजा कर बैठ जाते है चाहे आमजनता को परेशानी ही क्यो न हो? इस बात का उनपर कोई फर्क नही पड़ता है। आम जनता परेशान होती रहती है और अपनी आबाज प्रशासन तक पहुचाती है फिर भी प्रशासन ठेकेदारों के दबाव में तमाशा देखती रहती है। इसी तरह का मामला रीवा जिला अंतर्गत जवा तहसील मुख्यालय से सामने आया है जहा पर बीच बाजार में भार्गवी वाइन्स कंपोजिट मदिरा बरौली की दुकान खुली है जिसके कारण आमजनता,रहवासियों और दुकानदारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है क्योंकि बीच बाजार में मदिरा की दुकान होने से सुवह से रात्रि 11 बजे तक शराबियों का जमाबड़ा लगा रहता है और शराबी नशे की हालत में लोगो के साथ गलत शब्दो का प्रयोग करते और कभी कभी मारपीट पर भी उतारू हो जाते है जिसके लिए समाजसेवियो सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेता तरुणेंद्र द्विवेदी ने उक्त मदिरा दुकान को अन्यंत्र जगह हटाने की मांग की है।

बता दे कि उक्त मदिरा की दुकान से 300 फिट की दूरी पर जनपद पंचायत,अनुविभागीय कार्यालय, तहसील कार्यालय है इसके दक्षिण दिशा में डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर जनता हाई स्कूल है तो कुछ दूरी पर पूर्व दिशा में कन्या हाई स्कूल है जहा से प्रतिदिन बच्चो का आना जाना होता है और उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसके बाद भी प्रशासन आंख मूंद कर तमाशा देखता रहता है।

अब देखना यही होगा कि प्रशासन और आबकारी विभाग की आंखे खुलेगी या ठेकेदारों के सामने नतमस्तक बने रहेंगे।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना संबंधी बैठक आज

रीवा. प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत वर्ष 2023-24 में चयनित 9 ग्राम पंचायतों की कार्ययोजना तैयार की गई है। कार्ययोजना में शामिल बिन्दुओं पर विचार करने के लिए 28 अप्रैल को बैठक का आयोजन किया जा रहा है। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल करेंगी। बैठक कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में टीएल बैठक के बाद आरंभ होगी। जिला संयोजक कमलेश्वर सिंह ने प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना की जिला स्तरीय समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

अमर ज्योति ने करवाया 839वाँ नेत्रदान

मीडिया ऑडीटर, सतना(निप्र)। समाजसेवी श्री रवि कुमार नथानी की पूज्यनीय माता श्रीमती रीटा देवी नथानी जी का स्वर्गवास हो गया निधन उपरांत अमर ज्योति परिवार के सदस्य रुपेश वलेचा एवं अमित भावनानी जी की प्रेरणा से प्रेरित होकर परिवार ने पूज्य माताश्री का नेत्रदान करवाने का निर्णय लिया सतगुरु की तकनीकी टीम द्वारा नेत्रदान कराया गया। अमर ज्योति के संयोजक मनोहर डिगवानी ने कहा निश्चित रूप से माता जी के इस नेत्रदान से दो अंधकारमय जीवन रोशन होंगे नेत्र प्राप्त करने वाले नेत्रहीन आजीवन परिवार को दुवाए देंगे। अमर ज्योति के सदस्य विनोद गेलानी ने बताया संस्था द्वारा यह 839वां नेत्रदान करवाया इसके पूर्व 838 नेत्रदान हो चुके हैं।

समिति के मार्गदर्शक योगेश ताम्रकार,संयोजक मनोहर डिगवानी,कमल पुरस्वानी,मनोज अरोरा,नरेंद्र चंद्र गुप्ता,पुष्पराज सिंह,हरिओम गुप्ता,मनमोहन माहेश्वरी,विभाष बनर्जी,सुधीर जैन,ललित खुराना, विनोद गेलानी दिलीप सोनी,प्रदीप अरोरा,विपुल हांडा,संजय वाधवानी,अनिल मोटवानी,जेठानंद वाधवानी, घनश्याम मँघरानी,श्यामलाल गुप्ता श्यामू,मनोज वलेजा,संदीप चमड़िया,अनिल झुलवानी, नीलांबर झा,बसंत शर्मा,संदीप धूत,दीपक वाधवानी,रूपेश वलेचा,तरुण ठक्कर,भरत आहूजा,पंकज आहूजा,श्रीमती मंजूषा शाह दिनेश अग्रवाल, अशोक ताम्रकार,उमेश लोहिया,डॉ प्रकाश सिंह,ज्ञान खटवानी,मनीष टेकवानी,धीरज टंडन,बलराम गुनानी सहित सभी सदस्यों ने दिवंगत के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिजनों के प्रति साधुवाद प्रेषित किया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत इटौरा में भेड़ौरा नदी की साफ-सफाई की गई

भेड़ौरा नदी के पुनर्जीवन के लिए उठे सैकड़ों हाथ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत इटौरा में भेड़ौरा नदी तथा उसके घाटों की साफ-सफाई की गई। इसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर सहित जन अभियान परिषद, स्वैच्छिक संगठनों व ग्रामीण नदी पुनर्जीवन, श्रमदान व जल संवाद कार्यक्रम में सहभागी हुए। सीईओ जिला पंचायत तथा उपस्थित सभी श्रमदानी नदी में उतर कर नदी व घाटों की सफाई की। इसके बाद नदी तट पर उपस्थित जन समूह के साथ जल व नदियों की महत्ता पर संवाद किया। संवाद के दौरान सीईओ जिला पंचायत ने बताया कि जल के सभी स्त्रोत जीवन सभ्यता के लिए अनिवार्य है। इनका संरक्षण करना समाज की जिम्मेदारी है। शासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश की सभी जलीय संरचनाओं के संरक्षण का महाभियान संचालित किया जा रहा है। जिसके तहत नदियों, तालाबो, बाबड़ियों, पोखरों व अन्य जल संरचनाओं का संरक्षण व संवर्धन किया जा रहा है। इन सभी संरचनाओं के संरक्षण के लिए समुदाय व नागरिकों को भी जुटना होगा, तभी हम अपनी पीढ़ियों को सुरक्षित जल और भविष्य दे पाएंगे। इस अवसर पर जन अभियान परिषद रीवा के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने जल गंगा संवर्धन अभियान की रूपरेखा रखते हुए भेड़ौरा नदी की भौगोलिक व वर्तमान स्थिति व अभियान की जानकारी दी गई। कार्यक्रम को सीईओ जनपद रायपुर कर्चुलियान संजय सिंह, समाजसेवी प्रदीप गौतम सुमन, योगेंद्र शुक्ल, सुषमा शुक्ल, राजराखन पटेल द्वारा संबोधित किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक अमित अवस्थी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी जीएन श्रीवास्तव, नवांकुर व प्रस्फुटन संस्था के प्रतिनिधि, पत्रकार बन्धु, समाजसेवी व स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सिद्धार्थ श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

दुअरा नाथ मंदिर में होगा सुंदरकांड पाठ का आयोजन 29 को

मीडिया ऑडीटर, रीवा/जवा (निप्र)। इस महा काली काल में आत्म कल्याण एवं जन के निमत महीने की अंतिम मंगलवार को श्री सिद्ध धाम दुअ रा नाथ मंदिर में सुबह 8 बजे से श्री सुंदरकांड का पाठ होगा। ज्ञात होगी यह क्रम पहले ग्राम मां शीतला धाम ग्राम पंचायत सितलहा में होता था किंतु अब प्रभु कृपा एवं प्रेरणा से श्री दुअरा नाथ मंदिर में होना निश्चय हुआ है जिसका शुभारंभ 29 अप्रैल महीने के अंतिम मंगलवार को सुबह 8 बजे से होना है। कार्यक्रम के आयोजक अमित सिंह मोहित भैया/ चक्रधर सिंह जवा ,सरपंच ग्राम पंचायत सीतलहा एवं अध्यक्ष सरपंच संघ जनपद पंचायत जवा ने सभी क्षेत्रीय आम जनमानस भक्तगण एवं प्रभु प्रेमियों से सुबह 8 बजे दुअ रा नाथ मंदिर पहुंचने की विनम्र अपील की है।

डाक्टर भीमराव अम्बेडकर जयंती पर व्याख्यान का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा/जवा (निप्र)। जन अभियान परिषद द्वारा डाक्टर भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत जवा के सभागार में आयोजित किया गया, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सालिगराम साहू मण्डल अध्यक्ष अतरैला,जन अभियान परिषद संभागीय अधिकारी प्रवीण पाठक, रमेश अवधिया ब्लाक समन्वयक जवा, अमित अवस्थी, सुधा पाण्डेय,महिप पाण्डेय, रूपनारायण मिश्रा,अनुराग उर्मलिया,अरुण तिवारी, बालेन्द्र सिंह, हरगोविंद द्विवेदी, सतेन्द्र सिंह, रीता सिंह, शिरीष तिवारी, सहित एस एस डब्ल्यू के छात्र छात्राएं उपस्थित रही, कार्यक्रम के शुभारंभ में संविधान निर्माता डाक्टर भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा में श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया,इस दौरान वक्ताओं ने अम्बेडकर जी के जीवनकाल में अपने अपने विचार व्यक्त किए, जन अभियान परिषद संभागीय अधिकारी प्रवीण पाठक ने कहा कि डाक्टर भीमराव अम्बेडकर जी सर्वव्यापी है जो संघर्ष, तपस्या और सफालता के प्रतिमूर्ति हैं,आज समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है,श्री पाठक ने बताया कि आज केंद्र और प्रदेश सरकार के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान का आयोजन 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जा रहा है जिससे जल संग्रहण करने जल का अपव्यय रोकने के प्रयास करने हेतु जन जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है, श्री पाठक ने जन अभियान परिषद के ब्लाक पदाधिकारियों एवं नवांकुर समितियों के सदस्यों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में आमजनो को जागरूक करने तथा अभियान में लोगों को जोड़ने के दिशा निर्देश भी दिए गए हैं।

विचार

वक़्फ़ संशोधन विधेयक 2025- एक नई दिशा की ओर!

भारत में वक़्फ़ संपत्तियाँ मुसलमानों की धार्मिक, सामाजिक और शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक पवित्र अमानत मानी जाती हैं। इस्लाम में वक़्फ़ की परिकल्पना एक ऐसे संस्थान के रूप में की गई है जो समाज के वंचित और ज़रूरतमंद वर्ग की सेवा करे और न्याय, दया तथा साझेदारी जैसे मूल्यों को सुदृढ़ बनाए। लेकिन बीते वर्षों में वक़्फ़ संपत्तियों पर अवैध कब्ज़े, प्रशासनिक लापरवाहियाँ, भ्रष्टाचार और कानूनी उलझनों ने इस प्रणाली को खोखला बना दिया है। मुसलमानों के इस पवित्र संसाधन का दुरुपयोग हुआ, जिससे न केवल समुदाय का विश्वास टूटा, बल्कि धार्मिक और सामाजिक उद्देश्यों की पूर्ति में भी बाधा उत्पन्न हुई। इन्हीं जटिलताओं के समाधान हेतु केंद्र सरकार द्वारा वक़्फ़ संशोधन विधेयक 2025 प्रस्तुत किया गया है, जो मौजूदा वक़्फ़ अधिनियम 1995 में व्यापक परिवर्तन करता है। यह विधेयक न केवल वक़्फ़ संपत्तियों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि वक़्फ़ प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और सार्वजनिक हित को भी प्रमुखता देता है।

इस विधेयक के माध्यम से वक़्फ़ जायदादों को 'सार्वजनिक धर्मार्थ संपत्ति' के रूप में चिन्हित कर उन्हें विशेष कानूनी संरक्षण देने की कोशिश की गई है, जिससे अब कोई भी व्यक्ति या संस्था इन पर आसानी से दावा नहीं कर सकेगा। यह एक ऐतिहासिक क़दम है क्योंकि इससे उन लाखों एकड़ वक़्फ़ ज़मीनों को बचाया जा सकेगा जो दशकों से गैर-कानूनी कब्ज़ों के अधीन हैं। इसके साथ ही, यह विधेयक वक़्फ़ बोर्डों को डिजिटल प्रणाली के अंतर्गत लाने का निर्देश देता है, जिससे संपत्तियों की पारदर्शी सूची बने, वार्षिक लेखा परीक्षण हो और आम जनता को यह जानने का अधिकार मिले कि वक़्फ़ की आय कहाँ खर्च हो रही है। इससे ना सिर्फ़ भ्रष्टाचार में कमी आएगी बल्कि वक़्फ़ प्रशासनिक व्यवस्था पर मुसलमानों का विश्वास भी पुनः स्थापित होगा।

विधेयक में एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि अब वक़्फ़ संपत्ति घोषित करने के लिए केवल उपयोग के आधार पर दावा मान्य नहीं होगा। कई वर्षों से बिना किसी वैध दस्तावेज़ या घोषणा के लोग केवल लंबे समय तक ज़मीन के इस्तेमाल के आधार पर उसे वक़्फ़ घोषित कर देते थे, जो शरीअत और न्याय दोनों के विरुद्ध है। नया विधेयक इस प्रवृत्ति को प्रतिबंधित करता है और केवल विधिसम्मत रूप से समर्पित संपत्तियों को ही वक़्फ़ मान्यता प्रदान करता है। यह प्रावधान न केवल ज़मीन हथियाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाएगा, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया को भी सुचारु बनाएगा। जहाँ तक न्यायिक प्रक्रिया की बात है, अब वक़्फ़ मामलों की सुनवाई के लिए विशेष न्यायाधिकरण स्थापित किए जाएंगे जिनमें योग्य न्यायाधीशों की नियुक्ति होगी। इससे वर्षों तक लटके हुए वक़्फ़ विवादों का शीघ्र और न्यायसंगत निपटारा संभव होगा।

घाटी में बहे बेगुनाह लहू से गुस्से में देश

कश्मीर घाटी में पिछले कुछ वर्षों में सिर्फ परिंदे ही नहीं चहचहा रहे थे, बल्कि देश-दुनिया से आए सैलानी भी यहां की खूबसूरती में अपना सहयोग दे रहे थे..वे भी परिंदे की तरह घाटी के कैनवस को और ज्यादा खूबसूरत बना रहे थे..यह खूबसूरती पाकिस्तान परस्त उन आतंकियों को नहीं देखी गई, जिनके लिए कश्मीर गले की नस की तरह है। अपने गले की इस नस को बचाने के लिए आतंकियों ने बाइस अप्रैल का दिन चुना, और 26 बेगुनाह लोगों का रक्त घाटी की हरियाली चादर पर बिछा दिया..ये प्राकृतिक रंग होता तो धानी कैनवस पर खूबसूरत होता..लेकिन लहू का सुर्ख रंग कभी खूबसूरती का सबब नहीं बनता..वह वीभत्सता का जरिया बनता है..जब किसी बेगुनाह का लहू जब धरती पर गिरता है तो वह क्षोभ और क्रोध का जरिया बन जाता है..बेशक यह लहू सूख जाता है, लेकिन उसकी तासीर मानवता के दिल और दिमाग में कहीं गहरे तक रच जाता है..उसे धरती पर बहाने वाले के लिए वही सैलाब बन जाता है और उस सैलाब में एक दिन उसे बहाने वाले बह जाते हैं।

पहलगाम की धरती पर गिरा खून सूख चुका है..लेकिन वह भारत की असंख्य आंखों में उतर आया है..जब खून किसी की आंखों में उतर आता है तो उसका अंजाम बहुत भयानक होता है..भयानक उसके लिए, जिसकी वजह से वह आंखों में उतर आता है...तब उन आंखों का पानी धीरे-धीरे मरने लगता है और उसकी हर सूखी बूंद से उपजा सैलाब कहर बन कर टूटता है। भारत की असंख्य आंखों की सूख रही बूंदों से वही सैलाब उमड़ने वाला है। बिहार के मधुबनी में प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि घाटी में बेगुनाह खून बहाने वालों का पीछा किया जाएगा, उन्हें खोज निकाला जाएगा और दंडित किया जाएगा..दरअसल उसी सैलाब की निशानी है..

अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 का खात्मा होने के बाद घाटी धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी थी, कुछ पिछली सदी के नब्बे के दशक से पहले की स्थिति में आने लगी थी। घाटी में परिंदों की चहचहाहट के साथ ही सैलानियों के तराने गूंजने लगे थे। इसके साथ घाटी में खुशहाली लौट रही थी। पत्थर थामने और सेना पर उन्हें उछालने वाले हाथों में कहीं पतवार तो कहीं घोड़े की लगाम तो कहीं सैलानियों को राह दिखाने वाले जज्बात आने लगे थे। कश्मीर की कालीनों को एक बार फिर रंग मिलने लगा था, उन्हें कद्रदानों की बाढ़ आने लगी थी...कश्मीर के केसर की रंगत और सुगंध दूर तक फैलने लगी थी..घाटी के मेवे की पहुंच एक बार फिर दुनिया के बाजारों तक होने लगी थी..लेकिन कंगाली के दरवाजे पर खड़ा पाकिस्तान और उसके सैनिक आकाओं को यह खुशहाली पसंद नहीं आई। इसके बाद उन्होंने द रेसिस्टेंस फ्रंट के आतंकवादियों को आगे किया और पहलगाम में 24 भारतीय और दो विदेशी नागरिकों को मौत के घाट सुला दिया। भारतीय सेना की वर्दी में आए आतंकियों ने पुरूषों से कलमा पढ़ने को कहा। उनके धर्म पूछे और हिंदू बताते ही उनके सिरों को गोलियों से उड़ा दिया। इस कुकृत्य का शिकार बना भारतीय नौसेना का एक लेफ्टिनेंट, जिसकी महज छह दिन पहले ही शादी हुई थी...भारतीय वायुसेना का एक जांबाज, कानपुर का महज दो महीने पहले विवाहित एक जवान। एक मासूम बच्चे के सामने ही उसके पिता का खून बहा दिया गया। इस्लाम के नाम पर की गई इन हत्याओं के बाद आतंकी बोलते हुए चले गए कि मोदी को बता देना कि कश्मीर घाटी में जबरदस्ती बसाए जा रहे लोगों का यह बदला है...

महज दो महीने और छह दिनों का सुहाग अपने मासूम आंखों के सामने उजड़ना कैसे बर्दाश्त होगा, उन मासूम लड़कियों के दिलों पर क्या गुजरेगी, इसका ध्यान उन खूनी दरिंदों ने एक बार भी नहीं सोचा। इस्लाम के नाम पर इंसानियत का कत्ल करते वक्त उनके हाथ नहीं कांपे, ट्रिगर दबाने वाली उंगलियां नहीं थरथराईं..ऐसे में कैसे माने कि इस्लाम के अनुयायी ऐसे भी हो सकते हैं?

इन मासूस हत्याओं के बाद भारत में उबाल है। भारत इसका बदला चाहता है। भारत ने कुछ कदम उठाए भी हैं। 1960 से लागू सिंधु नदी जल समझौता रोक दिया गया है। अटारी सीमा को बंद कर दिया गया है, भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को वापस लौटने को कह दिया गया है। सार्क के सदस्य देशों के लिए मिलने वाला विशेष वीजा रोक दिया गया है। पाकिस्तान के साथ कारोबार थम गया है।

पाकिस्तान की जीवन रेखा है सिंधु और उसकी सहायक नदियों से मिलने वाला पानी। इन नदियों का करीब अस्सी फीसद पानी पाकिस्तान को मिलता है। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध की खेती इसी पानी के दम पर लहलहाती है। पाकिस्तान के कई शहरों की प्यास भी यही पानी बुझाता है। पहले से कंगाली झेल रहे पाकिस्तान के लिए भारत की ओर से लगे ये प्रतिबंध उसकी परेशानी ही बढ़ाएंगे। दिखावे के लिए पाकिस्तान को भी कुछ कदम उठाने ही थे। उसने भी उठाए हैं, मसलन हवाई सीमा भारतीय विमानों के लिए बंद कर देना और कारोबार रोकना। लेकिन भारत की तुलना में उसकी अर्थव्यवस्था कुछ भी नहीं है। ऐसे में उसकी माली हालत खराब होना स्वाभाविक है।

आम भारतीय सिर्फ इन्हीं उपायों से ही संतुष्ट नहीं है। भारत का नागरिक इजरायल की तरह की कार्रवाई का खुलेआम समर्थन कर रहा है। अपने नागरिकों के खून का बदला खून से लेना चाहता है। पुलवामा के बाद जिस तरह भारत सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक की थी, उस तरह के हमले की उम्मीद भारतीय जनता कर रही है। अगर मोदी सरकार ऐसे फैसले लेती है, भारतीय सैनिक अपने नागरिकों के लहू का इंतकाम लेते हैं तो भारतीय लोगों का गुस्से पर पानी पड़ सकता है। लोकतांत्रिक सरकारें जनभावना को समझती हैं, उसके दबाव में भी होती हैं,लेकिन वे जनता की सोच को ठीक उसी तरह जमीन पर नहीं उतार सकतीं। प्रधानमंत्री मोदी की जो कार्यशैली है, उसमें वे क्या करने वाले हैं, इसका अंदाजा लगाना आसान नहीं है। लेकिन एक बात का अंदाजा जरूर लगाया जा सकता है कि लहू का बदला उनकी सरकार अपने तरीके से जरूर लेगी।

कश्मीर घाटी में पहली बार दिख रहा है कि इन हत्याओं के खिलाफ लोग उठ खड़े हुए हैं। यहां की महिलाएं तक बोल रही हैं कि वे सीमा रेखा के पार जाकर पाकिस्तान को सबक सिखाने को तैयार हैं। 1990 के बाद से यह पहला मौका है, जब कश्मीर में भी ऐसे लोग सामने आने लगे हैं, जो कश्मीर को भारत का हिस्सा मानने लगे हैं, ना सिर्फ मान रहे हैं, बल्कि खुलेआम इसे स्वीकार भी कर रहे हैं। आतंकियों के नापाक मंसूबों की भेंट चढ़े नागरिकों को वे अपना बेटा, भाई, बताते नहीं थक रहे हैं। कश्मीर का यह बदलाव बड़ा है। कश्मीरियों को बरसों बाद चहलपहल और समृद्धि की आहट दिखी है..इसमें ही उन्हें अपनी जिंदगी दिख रही है। वे अपनी जिंदगी जी लेना चाहते हैं और अपने बच्चों को मुकम्मल भविष्य देना चाहते हैं। कश्मीर की एक पीढ़ी ने अपनी जवानी संगीनों के साये में सन्नाटे के बीच गुजार दिया है, उनकी जिंदगी के बड़े हिस्से में पत्थरबाजी, आतंकियों की गोलियों की तड़तड़ाहट और त्रासदी रही है। अब जाकर उन्हें घाटी में सुकून नजर आ रहा था, गोलियों की तड़तड़ाहट की जगह गाड़ियों का हार्न, सैलानियों के गीत गूंजने लगे थे। वे अपने बच्चों को अब यही माहौल देना चाहते हैं। इसीलिए वे खुलकर आतंकियों के खिलाफ बोल रहे हैं।

हालांकि भारत में एक वर्ग ऐसा भी है, जो आतंकियों को परोक्ष रूप से समर्थन कर रहा है। इसमें वामपंथी वैचारिकी के लोगों की अच्छी-खासी संख्या हैं। इन शहरी नक्सलियों को अब एक बड़ा वर्ग मानने लगा है कि ये भारतीय समाज रूपी शरीर के मवाद हैं। इस मवाद को बहाने के लिए सर्जिकल ऑपरेशन की जरूरत है। भारत का लोक इस ऑपरेशन की जरूरत कहीं ज्यादा शिद्दत से महसूस कर रहा है। यह लोकभाव ही है कि मुस्लिम समुदाय की आक्रामक राजनीति करने वाले ओवैसी साहब भी आतंकियों के लिए गालियां निकाल रहे हैं। उन्हें सजा दिलाने की बात कर रहे हैं। कश्मीर घाटी में जो मासूम लहू बहा है, उसे जायज नहीं ठहराया जा सकता। लेकिन यह लहू बेकार नहीं जाएगा। इस लहू ने बताया है कि भारत बदल रहा है, जिसमें अब शहरी नक्सली बर्दाश्त के काबिल नहीं, जिसमें जाहिल आतंकियों की बंदूकों की नोक से लोक नहीं डरता।

धार्मिक कट्टरता चाहे किसी भी रंग की हो, ठीक नहीं

धर्म के नाम पर फैलाई जा रही साम्प्रदायिक नफरत का तूफान भारत की सभी गर्व करने योग्य परम्पराओं की तबाही करती जा रही है। अल्पसंख्यक आबादी, विशेष तौर पर मुस्लिम भाईचारे के बारे में प्रचारित की जा रही झूठी और मनगढ़ंत कहानियों का बाजार गर्म है। इन भड़काऊ घोषणाओं और बयानबाजी पर कार्रवाइयां होने से ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे भारत के भीतर कोई बड़ा धर्म युद्ध लड़ा जा रहा है। अब तो इस तथ्य की पुष्टि भाजपा सांसद निशीकांत दुबे ने भी अपने बयान में कर दी है। बेशक इसका ठीकरा शीर्ष अदालत के माननीय मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के सिर पर फोड़ा है। हिंदू धर्म के नाम पर विहिप नेता प्रवीण तोगडिया ने देश में इसराईल जैसी व्यवस्था (जियोनिज्म) जिसके माध्यम से मुसलमानों और अल्पसंख्यक तथा विचारधारक विरोधियों का मुकम्मल तौर पर सफाया किया जा सके, लागू करने की वकालत कर दी है।

विश्व के अंदर किसी भी धर्म, पंथ या सामाजिक-राजनीतिक लहर के उदय का संबंध उस दौर की ठोस आर्थिक-सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों के साथ जुड़ा होता है। जनसाधारण को खत्म करने वाली लोकविरोधी नीतियों के कारण दरपेश मुश्किलों से छुटकारा हासिल करने के लिए किसी धर्म या पंथ का निर्माण किया जाता है। इसके बावजूद पीड़ित जनता आहिस्ता-आहिस्ता हर दौर की नई प्रगतिशील धारा के साथ जुडऩी शुरू हो जाती है। कार्ल मार्क्स सहित विश्व भर के दार्शनिकों ने सामाजिक विकास के अंदर धर्म की ओर से निभाई जा रही इस भूमिका को बाखूबी अंकित किया है। परन्तु मानव इतिहास इस तथ्य का गवाह भी है कि जैसे-जैसे प्रक्रिया तेज होती है वैसे ही समय के शासक, उनके हिमायती और सत्ता के साथ जुड़े स्वार्थी तत्व, लोगों की ओर से अपनाए जा रहे हर नए धर्म के बीच वाले मानवीय तत्वों को गिराने के लिए इस नई निर्मित लहर को जुर्म के साथ दबाने का प्रयास करते हैं।

भारत के अंदर भी वर्तमान समय में कई धर्मों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। ऐसे धर्मों को मानने वालों पर इनसे संबंधित आलीशान धार्मिक स्थानों की गिनती में अनगिनत बढ़ौतरी हो रही है। मगर वे सारी स्वस्थ और मानवीय कदरें और कीमतें जिनका समर्थन इन धर्मों का नेतृत्व करने वाले महापुरुषों और अन्य विद्वानों ने दिया था, विलुप्त होती जा रही है। यही कारण है कि किसी भी धार्मिक नेता या धार्मिक स्थान से ऐसी आवाज कम ही सुनाई पड़ती है कि जो भी व्यक्ति धर्म के नाम पर अन्य धर्मों के विरुद्ध नफरत फैलाता है या कोई विवाद उत्पन्न करने का प्रयत्न करता है, उसके साथ उनके धर्म का कोई संबंध नहीं है।

हिंदू धर्म के ज्यादातर वर्तमान संतों-महंतों और धर्म के स्वयं-भू ठेकेदारों ने इस धर्म की मानवीय कल्याण की ऊंची और साफ परम्पराओं पर विभिन्न धर्मों के मानने वाले लोगों के बीच प्रेम तथा

सद्भावना मजबूत करने की महान शिक्षाओं को दर-किनार कर आम जनता को फिर से उसी अंधकारमय युग की ओर धकेलने की मुहिम छेड़ रखी है, जिसे हम सदियों पहले अलविदा कह आए थे। वैज्ञानिक सोच वाले आधुनिक युग के अंदर हिंदू धर्म का बोलबाला कायम करने के पर्दे के नीचे कुछ स्वार्थी लोगों ने उन्हें तर्कहीन बनाकर विज्ञान विरोधी रास्तों पर चला दिया है।

यह तरीका अत्यंत शर्मनाक और दुखदायी है। पिछड़े विचारों का ऐसा प्रचार-प्रसार हिंदुओं की विशाल बहुगिनती के हितों के साथ उसी तरह का खिलवाड़ है जैसा पाकिस्तान और अफगानिस्तान में वहां के मुस्लिम कट्टरपंथियों ने आम मुसलमान आबादी के हितों के साथ किया है। विशाल और सहनशीलता जैसे विचारों से लबरेज हिंदू धर्म के अनुयायियों को दूसरे धर्म के पैरोकारों, विशेषकर मुसलमानों और ईसाइयों के धार्मिक स्थल गिराने, इनके धार्मिक समागमों में खलल डालने और बिना किसी ठोस सबूत के प्रत्येक मुसलमान, ईसाई या राजनीतिक विचारधारक विरोधी के माथे पर 'देशद्रोही' का तगमा टांगने का अधिकार देना किस धर्म ग्रंथ में लिखा है। शीर्ष अदालत की ओर से धर्म निरपेक्षता और लोकतांत्रिक प्रणाली के हक में किए जाने वाले फैसलों पर टिप्पणियों का जैसे आर.एस.एस. और भाजपा के नेताओं की ओर से मजाक उड़ाया जाता है। उससे यह स्पष्ट होता है कि संघ परिवार के भारतीय संविधान और अदालतों के प्रति सत्कार केवल दिखावा है। इस संविधान विरोधी मुहिम में अब तो देश के उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी कूद पड़े हैं।

मुसलमानों के बीच कई धार्मिक नेता अपने स्वार्थ के लिए भारतीय संविधान की खूबसूरत धाराओं की बजाय 'शरियत' की पालना करनी और करवानी ज्यादा लाजिमी समझते हैं। यह देखना काफी तकलीफदेय है कि मुस्लिम भाईचारे से संबंधित काफी लोग आज भी तर्क-वितर्क और संविधान-कानून की व्यवस्थाओं के मुकाबले कट्टरपंथी मुल्लाओं के फतवों को ज्यादा तरजीह देते हैं। पश्चिम बंगाल में उठे साम्प्रदायिक तनाव के इस अंधेरे में एक रोशनी जगाने वाली घटना का घटना भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। यहां के मालदा जिले के किसी स्कूल में तीसरी श्रेणी में पढऩे वाले 2 बच्चे सुलेमान शेख और संदीप साहा एक प्लेट में ही खाना खाते और मुस्कुराते नजर आए हैं। ऐसी है हमारी महान गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरती। विभिन्न धर्मों के मानने वाले करोड़ों लोगों को भी अपने-अपने धार्मिक विश्वासों पर कायम रहते हुए धर्म की मानवीय शिक्षाओं और लोकहित रिवायतों की रक्षा करने के लिए अपने बनते फर्ज की अदायगी करनी होगी। धार्मिक कट्टरता बेशक किसी भी रंग की हो अंत में समस्त मानवता के विनाश से ही खत्म होती है।-

मोदी को पसंद आया दंतेवाड़ा का साइंस सेंटर

जहां कभी हिंसा का साया था, आज वहां बच्चे टेक्नोलॉजी-इनोवेशन के लिए आगे बढ़ रहे

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम की 121वीं एपिसोड में छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा के साइंस सेंटर का जिक्र किया। उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि, आज भारत के युवा तेजी से साइंस, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जो इलाके कभी पिछड़ेपन और हिंसा के लिए पहचाने जाते थे। अब नवाचार के केंद्र बन रहे हैं। जहां कभी हिंसा और अशांति का साया था। आज वहां बच्चे विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम हमले पर भी कहा कि, देश के लोगों का खून खौल रहा है। पीड़ित परिजनों को न्याय जरूर मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, दंतेवाड़ा का विज्ञान केन्द्र आज पूरे देश का ध्यान आकर्षित कर रहा है। जहां बच्चों को थ्री-डी प्रिंटर, रोबोटिक कार जैसी मॉडर्न तकनीकों के बारे में बताया जाता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने प्रधानमंत्री का कार्यक्रम सुनने के बाद कहा कि, दंतेवाड़ा का विज्ञान केन्द्र अब वैज्ञानिक चेतना और नवाचार का केंद्र बन रहा है, जो विशेषकर आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को विज्ञान, तकनीक और नवाचार की दुनिया से जोड़ने का मोटिवेशनल माध्यम बन गया है। प्रधानमंत्री की यह सराहना न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के लिए एक उत्साह वर्धक संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी हर महीने के अंतिम रविवार को 'मन की बात' के जरिए देशवासियों से संवाद करते हैं। देश भर में हो रहे सकारात्मक प्रयासों को साझा कर एक प्रेरक वातावरण तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि, पीएम की यह प्रशंसा छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। दंतेवाड़ा जैसे क्षेत्र, जो कभी हिंसा के लिए जाने जाते थे। आज विज्ञान और नवाचार के प्रतीक बन रहे हैं। इससे बच्चों और युवाओं को विज्ञान-तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊर्जा और प्रेरणा मिलेगी। दंतेवाड़ा जिले के युवा और बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने करने और विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से यहां विज्ञान केंद्र बनाया गया है। यह विज्ञान केंद्र जिले के सुदूर अंचलों से आने वाले बच्चों के लिए अवसर है। विज्ञान केंद्र में रखे गए इंटरएक्टिव मॉडल, डिजिटल डिस्प्ले और प्रयोगशालाएं बच्चों को विज्ञान को केवल पाठ्य-पुस्तकों तक सीमित न रखकर, उसे जीवंत रूप में समझाने का मौका देती हैं। साइंटिफिक थीम पर आधारित कक्ष जैसे इंडस्ट्री रूम, फिजिक्स रूम, इमर्सिव रूम, मिनी वर्ल्ड रूम शामिल है। इसके अलावा न्यूटन के उ–म स्थल चुंबकीय उत्तोलन, वान डी ग्राफ जनरेटर, तारा मंडल, लेंज कानून, बैलिस्टिक पेंडुलम, टेस्ला कॉईल, प्लाज्मा बॉल, प्रकाशकिय गति और व्हिम्स हर्स्ट मशीन को स्टूडेंट देखते हैं। मन की बात को 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा 11 विदेशी भाषाओं में भी ब्रॉडकॉस्ट किया जाता है। इनमें फ्रेंच, चीनी, इंडोनेशियाई, तिब्बती, बर्मी, बलूची, अरबी, पश्तू, फारसी, दारी और स्वाहिली शामिल हैं। मन की बात की ब्रॉडकास्टिंग आकाशवाणी के 500 से अधिक ब्रॉडकास्टिंग सेंटर द्वारा किया जाता है। पहले एपिसोड की टाइम लिमिट 14 मिनट थी। जून 2015 में इसे बढ़ाकर 30 मिनट कर दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात में बस्तर ओलिंपिक की तारीफ की है। उन्होंने देश के कई राज्यों में भी शुरू करने की अपील की है। इस दौरान मोदी ने कहा कि जहां नक्सल हिंसा रही, वहां नई क्रांति जन्म ले रही है। PM मोदी ने बस्तर ओलिंपिक में शामिल खिलाड़ियों के संघर्ष की कहानी भी बताई। उन्होंने कहा कि कारी कश्यप की कहानी मुझे बहुत प्रेरित करती है। मोदी ने कहा कि एक छोटे से गांव से आने वाली कारी जी ने तीरंदाजी में रजत पदक जीता है। वे कहती हैं कि बस्तर ओलिंपिक ने हमें सिर्फ खेल का मैदान ही नहीं, जीवन में आगे बढ़ने का अवसर दिया है।

दूसरे राज्यों से आए 50 लोग थाने लाए गए

पुलिस कर रही वेरिफिकेशन, पश्चिम बंगाल से आए अधिकांश लोग, जांच में जुटी पुलिस

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में पुलिस ने बाहर से आए लोगों का वेरिफिकेशन शुरू कर दिया है। रविवार सुबह कोतवाली पुलिस शहर के अलग-अलग मोहल्लों में दबिश देकर करीब 50 लोगों को थाने ले आए। यहां उनके आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों की जांच की जा रही है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पुलिस अलर्ट मोड पर है और अब पुलिस ऐसे लोगों की जांच कर रही है, जो दूसरे राज्यों से आकर शहर में बिना वेरिफिकेशन के रह रहे हैं। रविवार की सुबह कोतवाली पुलिस इंदिरा नगर और आसपास के मोहल्लों से करीब 50 लोगों को थाने ले आई। यहां सभी के आधार कार्ड, पहचान पत्र और अन्य दस्तावेजों की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि इसमें अधिकांश मुर्शिदाबाद और पश्चिम बंगाल के दूसरे जिले के लोग हैं, जो रायगढ़ में कमाने-खाने के लिए आए हुए हैं। अभी तक किसी संदिग्ध के नहीं मिलने की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है कि शहर में कबाड़, भवन निर्माण और अलग-अलग कामों के लिए ठेकेदार दूसरे राज्यों से मजदूरों को ले आते हैं, लेकिन थाना में मुसाफिरी दर्ज नहीं कराते, न ही किसी तरह से पुलिस वेरिफिकेशन कराया जाता है। इससे बाहरी राज्यों से आकर कई लोग यहां किराए में रहने लगे हैं। पुलिस ने 23 अप्रैल को ऐसे 37 लोगों को पकड़ा था, जो लंबे समय से अपनी पहचान छिपाकर रह रहे थे। पूंजीपथरा पुलिस ने 19 और कोतवाली पुलिस ने 18 लोगों पर कार्रवाई की थी। जांच में सामने आया कि ये सभी किसी न किसी ठेकेदार के अंतर्गत काम कर रहे थे। जब थाने में मुसाफिरी दर्ज न होने और पहचान छुपाने की बात प्रमाणित हुई, तो इनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। जांच में यह भी सामने आया कि इनमें से अधिकांश पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों से हैं और ये चक्रधरनगर, पूंजीपथरा, गेरवानी, उर्दना और भैंसाकोठा जैसे क्षेत्रों में किराए के मकानों में रह रहे थे।

धमतरी में जंगल से 9 विस्फोटक बरामद

सुरक्षा बलों ने मौके पर डिफ्यूज किया, दवाई और वॉकीटॉकी भी मिली, नक्सलियों ने किया था डंप

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में डीआरजी टीम को नक्सल विरोधी अभियान के दौरान बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षाबलों ने जंगलों से माओवादियों द्वारा छिपाकर रखे गए 9 विस्फोटक बरामद किए हैं। सुरक्षा बलों ने मौके पर ही सभी विस्फोटकों को डिफ्यूज कर दिया। टीम को तलाशी के दौरान नक्सलियों द्वारा छोड़ी गई दवाइयां और वॉकीटॉकी भी मिली। नक्सलियों ने विस्फोटकों और अन्य सामग्रियों को डंप किया था। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात नक्सलियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जांच जारी है। धमतरी जिले के जंगलों में माओवादियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत डीआरजी और सीएएफ खल्लारी की संयुक्त टीम थाना खल्लारी क्षेत्र के चमेन्दा और साल्हेभाट गांव के बीच के जंगलों में रवाना हुई थी। सुबह करीब 8 बजे, टीम को जंगल में दो अलग-अलग स्थानों पर बम और अन्य सामग्री डंप किए जाने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचकर टीम ने तलाशी ली, जिसमें उन्हें 3 कुकर बम, 3 अमूल दूध के डिब्बे में तैयार किए गए बम, 2 पाइप बम, 1 टिफिन बम विस्फोटक सामग्री मिले। इसके अलावा एक वॉकी-टॉकी, इलाज में उपयोगी दवाइयां और राशन सहित कई अन्य आवश्यक वस्तुएं भी बरामद की गईं। सभी बमों को मौके पर ही सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया।चूंकि यह क्षेत्र थाना खल्लारी के अंतर्गत आता है, इसलिए वहीं पर अज्ञात माओवादियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मनेन्द्रगढ़ में खुला गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क

29 करोड़ वर्ष पुराने समुद्री जीवाश्मों का संरक्षण स्थल, हेल्थ मिनिस्टर ने स्वास्थ्य सेवाओं का भी किया विस्तार

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

1954 में हुई थी इस पार्क की खोज

कार्यक्रम की शुरुआत छीसगढ़ महतारी पूजा और दीप प्रज्वलन से हुई। अतिथियों ने छीसगढ़ महतारी के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए दीप जलाए और आयोजन को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की। इसके बाद अतिथियों का पुष्पगुच्छ और शॉल से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिमा यादव और नई लेदरी नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र राणा भी उपस्थित थे।

मनेन्द्रगढ़ के आमाखेरवा क्षेत्र में गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क का लोकार्पण किया गया। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने पार्क का उद्घाटन किया। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्री ने झगराखांड स्थित खेल परिसर में कई स्वास्थ्य परियोजनाओं का भूमिपूजन किया, जिसमें शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में नए विभागों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 220 बिस्तर वाले सिविल अस्पताल में अपग्रेड करने की योजना शामिल है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सबसे पहले रिबन काटकर गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने पार्क में संरक्षित हजारों साल पुराने जीवाश्मों का निरीक्षण किया और बम्बू राफ्टिंग में बैठकर हसदेव नदी का भ्रमण भी किया। डीएफओ मनीष कश्यप ने गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पार्क 29 करोड़ वर्ष पुराने समुद्री जीवन के अवशेषों का संरक्षण स्थल है। इन समुद्री जीवों के जीवाश्म आज भी आमाखेरवा क्षेत्र में सुरक्षित अवस्था में मिलते हैं, जो पृथ्वी के भूवैज्ञानिक इतिहास के महत्वपूर्ण प्रमाण हैं। हसदेव नदी के किनारे स्थित यह स्थल प्राचीन जीवाश्मों का हिस्सा रहा है, जहां आज भी समुद्री जीवन के प्राचीन अवशेष मिलते हैं। अब इसे गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क के रूप में संरक्षित कर आमजन के लिए सुलभ बनाया गया है। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने झगराखांड स्थित खेल परिसर में कई स्वास्थ्य परियोजनाओं का भूमिपूजन किया।शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ में म्यूजियम, फिजियोलॉजी विभाग, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग और व्याख्यान कक्ष का निर्माण होगा। इस पर 194 लाख रुपये खर्च होंगे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 220 बिस्तर वाले सिविल अस्पताल में अपग्रेड किया जाएगा। इसमें 40 बिस्तर वाले वार्ड का निर्माण 76.09 लाख की लागत से होगा। नई ओपीडी और 50 बिस्तर वाले वार्ड के निर्माण पर 174.75 लाख रुपये खर्च होंगे।मेडिकल कॉलेज में 125 लाख रुपये की लागत से लाइब्रेरी और विभागाध्यक्ष कक्ष का निर्माण भी प्रस्तावित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका मनेंद्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव ने की।

1954 में हुई इस पार्क की खोज...

पार्क में वर्तमान में 35 जीवाश्म संरचनाओं की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, जिनमें से कई मूर्तियां राजस्थान सहित अन्य राज्यों के मूर्तिकारों द्वारा बनाई गई हैं। पर्यटकों के अनुभव को और भी रोचक बनाने के लिए बबू राटिंग, वुडिंग, पैडल वॉकिंग जैसी रोमांचक गतिविधियां शुरू की गई हैं। इसके अलावा, जैव विविधता के संवर्धन हेतु मंकी टेल, डेंगन बेलिया, कैप्स जैसी दुर्लभ प्रजातियों के पौधों का रोपण कर इस स्थल को हरित और आकर्षक रूप दिया गया है। यह पार्क 1954 में भूवैज्ञानिक एस.के. घोष द्वारा कोयला खनन के दौरान खोजा गया था और तब से यह क्षेत्र के भूवैज्ञानिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

तस्करों से गांजा जब्त करने के बजाय छिपाया

दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल ने की कार्रवाई, डायल 112 का चालक भी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

पुरानी भिलाई थाना अंतर्गत गांजा के एक प्रकरण में शामिल वहां के आरक्षक विजय धुरंधर को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बर्खास्त कर दिया है। आरक्षक ने गांजा पकड़ने के दौरान डायल 112 के चालक के साथ मिलकर एक बोरी गांजा को जब्ती न दिखाकर उसे अपने अपने पास छिपाकर रख लिया था। जानकारी के मुताबिक, आरक्षक क्रमांक 1654 विजय धुरंधर पुरानी भिलाई थाने में पदस्थ था और डायल 112 की टीम का हिस्सा था। 3 मार्च 2025 की उसे एक सूचना मिली कि एक वाहन में कुछ लोग गांजा लेकर जा रहे हैं। आरक्षक वहां पहुंचा तो उसने गाड़ी को रोका और तलाशी ली तो उसके अंदर दो सफेद रंग की बोरी और एक लाल रंग की बोरी सहित कुल 3 बोरियों में गांजा के पैकेट थे। उसमें से लाल रंग की बोरी जिसमें तीन पैकेट गांजा रखे थे। आरक्षक विजय धुरंधर और डायल 112 के चालक अनिल कुमार टंडन ने एक बोरी गांजा को जब्त करने के बजाय उसे एक कटीली झाड़ी के बीच छिपा दिया था।इसके बाद दोनों आरोपियों को लेकर पुरानी भिलाई थाना ले आए और वहां केवल दो बोरियों की जब्ती दिखाकर मामला दर्ज किया। बाद में दोनों आरोपी वापस उसी स्थान पर लौटे और छिपाई गई गांजा की बोरी को निकालकर, अनिल टंडन के गांव औंधी के मकान में छिपा दिया।

शेयर-ट्रेडिंग के बहाने ठगी, दिल्ली से 3 गिरफ्तार

थाईलैंड और चाइना भेजते थे रुपए, 4 पहले हो चुके अरेस्ट, संपत्ति की जाएगी अटैच

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर में शेयर ट्रेडिंग के बहाने ठगी की वारदात हुई है। पुलिस ने पहले ही मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। एक बार पुलिस ने दिल्ली में रेड मारकर मुख्य सरगना समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने ठगी की रकम को थाईलैंड और चीन भी भेजा था। यह पूरा एक्शन साइबर रेंज थाना रायपुर ने किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, डॉक्टर प्रकाश गुप्ता ने 2024 में थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने बताया कि शेयर ट्रेडिंग करके ज्यादा मुनाफा कमाने के बहाने उनके साथ ठगी हुई है। ठग ने उन्हें लालच में फंसा कर उनसे करीब 11 लाख रुपए वसूल कर लिए। जिसके बाद उन्होंने आमानाका थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए 4 आरोपी पवन सिंह, गगनदीप शर्मा, राजवीर सिंह, संदीप रात्रा सभी निवासी दिल्ली को पूर्व में गिरफ्तार किया था। इन आरोपियों से पूछताछ में पता चला था कि, इन्होंने फॉरेक्स ट्रेडिंग के माध्यम से रकम को विदेश भेजते थे। जिसमें चीन और थाईलैंड मुख्य ठिकाने थे। इस मामले की जांच पड़ताल करते हुए पुलिस वारदात के 3 अन्य आरोपियों को भी दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब आरोपियों के संपत्ति को अटैच करने के लिए कार्रवाई कर रही हैं।

शादी टूटने से युवती ने की खुदकुशी, बॉयफ्रेंड गिरफ्तार

बलरामपुर में शादी तय होने पर प्रेमी ने मंगेतर को भेज दी फोटो...

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

मंगेतर को वॉट्सऐप पर भेजी एक तस्वीर

प्रेमी आशीष ने संगीता के साथ ली गई एक तस्वीर को वॉट्सऐप के जरिए उसके मंगेतर को भेज दिया। तस्वीर देखते ही मंगेतर ने संगीता से शादी करने से इनकार कर दिया। शादी टूटने की कगार पर पहुंची और समाज में बदनामी के डर से संगीता डिप्रेशन में आ गई।

बलरामपुर जिले में शादी टूटने से डिप्रेशन में आकर युवती ने कुएं में कूद कर आत्महत्या कर ली। इस मामले में युवती के प्रेमी को गिरफ्तार किया गया है। जांच में पता चला कि प्रेमी ने अपने साथ युवती की फोटो उसके मंगेतर को भेज दी थी, जिसके बाद मंगेतर ने शादी से इनकार कर दिया। मामला वाड्रफनगर चौकी क्षेत्र का है। वाड्रफनगर के ग्राम पनसरा में 3 अप्रैल 2025 की सुबह खेत के कुएं में युवती का शव मिला था। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची वाड्रफनगर चौकी पुलिस ने शव को बाहर निकाला। पूछताछ में चला कि लाश इसी गांव की रहने वाला 22 साल की संगीता कन्नौजिया की है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पीएम रिपोर्ट में पता चला कि संगीता की मौत पानी में डूबने से ही हुई है। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि 19 अप्रैल को संगीता की शादी चलगली गांव के रहने वाले एक युवक से तय हुई थी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि संगीता का पहले बसंतपुर के आशीष कुशवाहा के साथ अफेयर था। दोनों कॉलेज में साथ पढ़ाई कर रहे थे। इसी बीच लड़की की शादी कहीं और तय हो गई। वहीं, संगीता के शादी तय होने से आशीष खुश नहीं था।

गुस्से में घर छोड़कर चली गई थी संगीता...

शादी से इनकार करने की बात संगीता के पिता आनंद और उसके नाना को पता चली तो उन्होंने लड़की को फटकार लगाई। इस पर संगीता गुस्से में घर से बाहर चली गई। संगीता के पीछे उसकी नानी भी उसे वापस लाने के लिए गई। इसी बीच वह गांव के ही एक खेत में बने कुएं तक पहुंची और उसमें छलांग लगा दी। नानी के शोर मचाने पर गांव के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे और संगीता को बाहर निकाला। जब तक उसे बाहर निकाला गया, उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने संगीता के परिजनों और मंगेतर का बयान दर्ज किया। सभी ने बयान में बताया कि आशीष ने जानबूझकर तस्वीर भेजी थी, जिससे संगीता तनाव में आ गई और उसने आत्महत्या कर ली।

हसदेव नदी में बांस की नाव पलटी

मंत्री के सुरक्षाकर्मी समेत भाजपा नेता पानी में गिरे, तैरकर बाहर निकले,बम्बू राफ्टिंग के दौरान हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में स्थित हसदेव नदी में बम्बू राफ्टिंग के दौरान एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। यह घटना उस वक्त घटी जब भाजपा के नेता और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल अपने सुरक्षाकर्मी और अन्य नेताओं के साथ नदी में बम्बू राफ्टिंग कर रहे थे। अचानक बम्बू राफ्टिंग का बैलेंस बिगड़ गया और उसपर सवार सुरक्षाकर्मी और भाजपा नेता राहुल सिंह पानी में गिर गए। हालांकि, नदी का पानी कम होने के कारण इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। दरअसल, हसदेव नदी में वन विभाग ने शनिवार को ही बम्बू राफ्टिंग की शुरुआत की है। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, डीएफओ मनीष कश्यप, नगर पंचायत नई लेदरी के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा, नगरपालिका मनेन्द्रगढ़ के उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पटवा, भाजपा नेता राहुल सिंह, और युवा नेता सभाजीत यादव के साथ अन्य नेता इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान वीरेंद्र सिंह राणा, धर्मेन्द्र पटवा, राहुल सिंह और सभाजीत यादव के अलावा मंत्री का एक सुरक्षाकर्मी दो बम्बू नाव पर सवार होकर नदी में घूम रहे थे। लेकिन गलत तरीके से बैठने के कारण एक नाव का संतुलन अचानक बिगड़ गया। भाजपा नेता राहुल सिंह और सुरक्षाकर्मी पानी में गिर गए, जबकि सभाजीत यादव नाव से गिरकर बम्बू में पलट गए। धर्मेन्द्र पटवा संतुलन बिगड़ते ही नदी में गिर गए और तैरते हुए खुद को बाहर निकाल लिया। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस हादसे पर कहा, यहां बहुत गर्मी थी और जो नेता नदी में गिरे, वे अपनी मस्ती में कूद पड़े थे। उन्होंने अपनी सुरक्षा को लेकर कहा, मैं तैराकी में बहुत एक्सपर्ट हूं, और लाइफ जैकेट पहने हुए था, इसलिए मुझे सुरक्षाकर्मी की जरूरत नहीं थी। डूबने की स्थिति में मेरी सुरक्षा के लिए मेरे सुरक्षाकर्मियों की जरूरत पड़ती।

रायगढ़ में सड़क हादसों में 3 युवकों की मौत

पेड़ से टकराई बाइक, 2 का सिर फटा, एक दिन पहले हेलमेट के लिए लगी थी चौपाल

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में 3 लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक पेड़ से जा टकरा गई। जिसमें नाबालिग समेत 2 लोगों की सिर फटने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि, एक दिन पहले ही हेलमेट लगाने की समझाइश देने चौपाल लगाई थी। पहली घटना शनिवार शाम धरमजयगढ़ थाना इलाके की है। खड़गांव निवासी नवरत्न राठिया 30 परिचित बायसी गांव निवासी कमलेश राठिया17 के साथ निकला था। दोनों किसी काम से धरमजयगढ़ से खरसिया रोड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान, तेज रफ्तार बाइक बेकाबू हो गई। तपन ढाबा के आगे मोड़ पर बाइक सड़क से नीचे उतरते हुए पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवकों के सिर पर गंभीर चोट लगी और कुछ ही देर में दोनों युवकों की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद जब मामले की जानकारी आसपास के लोगों को लगी, तो काफी संख्या में ग्रामीण जुट गए। लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दोनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजवाया गया। धरमजयगढ़ थाना प्रभारी कमला पुसाम का कहना है कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। एक दिन पहले ही लोगों को चौपाल में समझाइश दी गई थी, कि वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग किया जाए। अगर दोनों युवक हेलमेट पहने होते तो बड़ी घटना टल सकती थी। फिलहाल मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है।

दूसरी घटना पुसौर थाना इलाके की है। ग्राम घुरनपाली का रहने वाला कलशराम यादव 31 शनिवार को बाइक पर सवार होकर ससुराल जा रहा था। वह सराईपाली रेंगाली ओडिशा जाने के लिए निकला था। कुछ देर बाद ही कलशराम के भाई को सूचना मिली कि उसके भाई का एक्सीडेंट हो गया है।कलशराम का भाई कैलाश यादव बाघाडोला उद्यान के आगे मोड़ के पास पहुंचा और देखा कि कलशराम की बाइक पड़ी हुई है। साथ ही वहां एक और बाइक भी थी। इसके बाद कलशराम का भाई पुसौर अस्पताल पहुंचा। यहां उसे पता चला कि कलशराम के सिर, कमर पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो चुकी है। कैलाश राम ने मामले की सूचना थाने में दी। रिपोर्ट में बताया कि सामने से आ रही बाइक चालक ने कलशराम को टक्कर मारी है। इससे उसकी मौत हुई है। पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। उसकी तलाश की जा रही है।

सेक्स रैकेट का खुलासा..1500 में होता था सौदा

ग्राहक बनकर पहुंची पुलिस, 3 युवतियों को पकड़ा

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में पुलिस ने सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया है। किराए के मकान में 1500 रुपए में सौदा हो रहा था। पुलिस की टीम खुद ग्राहक बनकर पहुंची और मकान से 3 युवती और 2 युवकों को पकड़ लिया। मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को शनिवार को सूचना मिली थी कि जगदलपुर के तेतरखूंटी इलाके में किराए के मकान में सेक्स रैकेट चल रहा है। इसके बाद पुलिस ने प्लानिंग की। जिस मुखबिर ने सेक्स रैकेट के बारे में पुलिस को बताया था। पुलिस ने उससे दलाल का नंबर लिया। सेक्स रैकेट चलाने वाली दलाल महिला ही है। ग्राहक बनकर पुलिस ने उसे फोन किया। महिला ने फोन पर तेतरखूंटी का पता दिया। कहा कि, वहां चले जाएं, लड़की मिल जाएगी लेकिन, 1500 रुपए लगेंगे। जब पुलिस पहुंची, तो कमरे में एक युवती मिली।इसके अलावा, पास के दूसरे कमरे में युवतियां और युवक मिले। इसके बाद बाहर खड़े बोधघाट थाने के जवानों ने छापेमारी की और सभी को पकड़ लिया। टीम सभी को गिरफ्तार कर पुलिस थाने ले गई। इनमें 3 युवतियों में 1 ओडिशा और 2 जगदलपुर की रहने वाली हैं। जबकि, 2 युवक विपिन एम जी. और प्रवीण ए पी है।पुलिस ने सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

पाकिस्तान की मांग- पहलगाम हमले की जांच चीन-रूस करें

पहलगाम/नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की मांग है कि पहलगाम हमले की जांच में चीन और रूस को भी शामिल किया जाए। पीआईटी के मुताबिक पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने रूसी मीडिया रिया नोवोस्ती को दिए इंटरव्यू में कहा कि इंटरनेशनल टीम जांच करे कि भारत के पीएम मोदी सच बोल रहे हैं या झूठ। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पहलगाम आतंकी हमला मामले में रविवार को जम्मू में केस दर्ज कर लिया है। इसमें सर्चिंग में मिले सबूतों और चश्मदीदों के बयानों को आधार बनाया गया है। इस बीच, पूर्व आर्मी चीफ वीके सिंह ने कहा कि पहलगाम मामले पर सरकार एक्शन ले रही है।

धैर्य बनाए रखें। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि कोई भी खुफिया सिस्टम फुलप्रूफ नहीं होता। इजराइली एजेंसियों को भी हमास के अटैक का पता नहीं चला था। इधर, सुरक्षाबलों ने कश्मीर घाटी में पिछले तीन दिनों में 10 आतंकियों के घर ब्लास्ट से उड़ा दिए। बीते दो दिन में 272 पाकिस्तानी नागरिक भारत छोड़कर जा चुके हैं। 13 डिप्लोमैट-अफसरों समेत 629 भारतीय, पाकिस्तान से लौटे हैं। जम्मू-कश्मीर में पहलगाम के बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 26 पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी। इसके बाद से घाटी में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी है।

कर्नाटक सीएम की पाकिस्तान से युद्ध वाले बयान पर सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने पहलगाम हमले पर दिए अपने बयान पर सफाई दी है। उन्होंने 26 अप्रैल को कहा था कि हम पाकिस्तान से युद्ध के पक्ष में नहीं है। रविवार को उन्होंने कहा- मैंने कभी नहीं कहा कि हमें पाकिस्तान के साथ युद्ध नहीं करना चाहिए, मैंने बस इतना कहा कि युद्ध समाधान नहीं है। उन्होंने कहा- जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों को सुरक्षा दी जानी चाहिए थी। इसकी जिम्मेदारी किसकी है? मैंने कहा है कि इसमें विफलता हुई है। यह खुफिया तंत्र की विफलता है। भारत सरकार ने पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं की। जहां तक युद्ध का सवाल है, अगर यह बहुत जरूरी ही होगा तो हमें युद्ध करना ही होगा।

सिद्धारमैया के पहले वाले बयान पर भाजपा ने निशाना साधा। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने सिद्धारमैया को पाकिस्तान रत्न बताया। उन्होंने कहा- सीएम सिद्धारमैया आप अपने बचकाने और बेतुके बयानों के कारण रातों-रात पाकिस्तान में विश्व प्रसिद्ध हो गए हैं।

दरअसल, सिद्धारमैया के युद्ध के पक्ष में नहीं होने के बयान को पाकिस्तानी मीडिया ने कवर किया। अपने प्राइम शो में उनके बयान को बड़े स्तर पर टेलीकास्ट किया।

मन की बात में मोदी बोले-पहलगाम पीड़ितों को न्याय मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने रेडियो शो मन की बात के 121वें एपिसोड की शुरुआत पहलगाम में मारे गए लोगों को याद करते हुए की। उन्होंने कहा- इस आतंकी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में बोल रहा है। पूरे विश्व ने संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले से देश के लोगों का खून खौल रहा है। पीड़ित परिजनों को न्याय जरूर मिलेगा। मोदी ने कहा- कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेज अच्छे से चल रहे थे, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे, लेकिन जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। पीएम ने पीड़ित परिवारों को न्याय का भरोसा दिया। कहा- इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोर जवाब दिया जाएगा। इसके साथ ही मोदी ने भारत के ग्लोबल स्पेस पावर बनने की भी बात की। कहा- हमने एक साथ 104 सैटेलाइट्स लॉन्च करके रिकॉर्ड बनाया है। हम चंद्रमा के साउथ पोल पर पहुंचने वाले पहले देश बने हैं।

पूर्व इसरो चीफ डॉ. कस्तूरीरंगन को श्रद्धांजलि दी- आज भारत जिन उपग्रहों का उपयोग करता है, उनमें से कई डॉ. कस्तूरीरंगन की देखरेख में लॉन्च की गई थीं। उनका व्यक्तित्व खास था और युवा पीढ़ी उनके कार्यों से बहुत कुछ सीख सकती है। उन्होंने हमेशा नवाचार को महत्व दिया। नया

सीखने, जानने और कुछ नया करने का उनका दृष्टिकोण प्रेरणादायक था।

भारत के युवाओं ने दुनिया का नजरिया बदला- मोदी ने भारत के युवाओं की प्रतिभा की बात करते हुए कहा- भारत के युवाओं ने भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदल दिया है। भारत का युवा, साइंस और इनोवेशन की ओर बढ़ रहा है। ऐसे इलाके, जिनकी पहचान पहले पिछड़ेपन और दूसरे कारणों से होती थी, वहां भी युवाओं ने ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जो हमें, नया विश्वास देते हैं।

स्पेस सेक्टर को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोला- मोदी बोले भारत ने अपने स्पेस सेक्टर को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोल दिया है। आज बहुत से युवा स्पेस स्टार्टअप में नए झंडे लहरा रहे हैं। 10 साल पहले इस क्षेत्र में सिर्फ एक कंपनी थी, लेकिन आज देश में, सवा तीन सौ से ज्यादा कंपनी काम कर रहे हैं।

म्यांमार के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया- पिछले महीने म्यांमार में आए भूकंप को लेकर कहा- भूकंप की खौफनाक तस्वीरें आपने जरूर देखी होंगी। भूकंप से वहां बहुत बड़ी तबाही आई, मलबे में फंसे लोगों के लिए एक-एक सांस, एक-एक पल कीमती था। इसलिए भारत ने म्यांमार के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया।

अफ्रीका के बीमार बच्चों का भारत में इलाज- मोदी ने कहा अफ्रीका के इथोपिया में प्रवासी भारतीयों के एक अभिनव प्रयास का पता चला है। वहां रहने वाले भारतीयों ने ऐसे बच्चों को इलाज के लिए भारत भेजने की पहल की है जो जन्म से ही हृदय की बीमारी से पीड़ित हैं। ऐसे बहुत से बच्चों की भारतीय परिवारों द्वारा आर्थिक मदद भी की जा रही है। अगर किसी बच्चे का परिवार पैसे की वजह से भारत आने में असमर्थ है, तो इसका भी इंतजाम, हमारे भारतीय भाई-बहन कर रहे हैं।

पति को गोली मारने वाले आतंकी को पत्नी ने पहचाना

सूरत (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। इसमें सूरत के शैलेश कलथिया भी शामिल थे। शैलेश परिवार के साथ छुट्टी मनाने पहलगाम पहुंचे थे। हमले में शैलेश की पत्नी और बेटा-बेटी बच गए। आतंकियों की तस्वीर सामने आने के बाद शीतलबेन ने उस आतंकी को पहचान लिया, जिसने उनकी और बच्चों के आंखों के सामने पति को गोली मारी थी। जिन चार आतंकवादियों की तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें से दाईं ओर से दूसरे आतंकी ने ही शैलेष के सीने में गोली मारी

थी। इन आतंकियों के खिलाफ 20-20 लाख रुपए का इनाम रखा गया है। शीतलबेन ने बताया- जब वे भागने की कोशिश कर रहे थे, तब यही आतंकी दौड़कर उनके सामने आकर खड़ा हो गया था। इसके बाद उसने दो-तीन फीट की दूरी से शैलेष के सीने में गोली मार दी थी। शीतलबेन ने बताया कि तस्वीर में नीले रंग का कपड़े पहना आतंकी उस समय हरे रंग का कुर्ता-पायजामा और कोट पहने था। सिर पर टोपी भी थी। उस दौरान उसने कंधे पर एक कैमरा भी टांग रखा था। गोली मारने के बाद दो-तीन मिनट तक देखता रहा शीतलबेन ने बताया कि मैंने दोनों बच्चों को अपने पीछे छिपा लिया था। इसी दौरान आतंकी ने मेरे पति के सीने में गोलियां दाग दीं। गोली लगते ही शैलेष मेरी गोद में गिर पड़े। इस दौरान गोली मारने वाला आतंकी दो-तीन मिनट तक शैलेष को देखता रहा।

पहलगाम अटैक पर विवादित पोस्ट, 7 राज्यों में 28 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने पर 7 राज्यों से 28 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन सभी गिरफ्तारियों में असम के विपक्षी पार्टी एआईयूडीएफ के विधायक, एक पत्रकार, एक वकील, 2 रिटायर्ड टीचर और 23 स्टूडेंट शामिल हैं। सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट करने पर उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, मेघालय और त्रिपुरा में गिरफ्तारियों हुई हैं। सबसे अधिक 16 गिरफ्तारी असम से की गई है। पहलगाम हमले पर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने को लेकर पहली गिरफ्तारी 24 अप्रैल को असम के एक विधायक की हुई। गिरफ्तार विधायक अमीनुल इस्लाम असम की विपक्षी पार्टी एआईयूडीएफ से हैं। उन्होंने 2019 के पुलवामा हमले और 22 अप्रैल के पहलगाम हमले को 'सरकार की साजिश' बताया था। उन पर राजद्रोह का केस दर्ज हुआ और 25 अप्रैल को उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया। मध्यप्रदेश के भोपाल में 25 अप्रैल को एक कॉलेज के गेस्ट लेक्चरर नसीम बानो ने वॉट्सएप पर पहलगाम हमले को लेकर विवादित वीडियो शेयर किया। इस पर पुलिस ने लेक्चरर को हिरासत में लिया। छात्र संगठन एबीवीपी ने कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

हालांकि लेक्चरर ने दावा किया कि वह वीडियो उसने नहीं बनाया था। गलती से वीडियो वॉट्सएप स्टेटस पर लग गया था। इससे पहले राज्य में ऐसे मामलों में 3 गिरफ्तारी हो चुकी है।

विवादित टिप्पणी मामले में 25 अप्रैल को असम से 6 गिरफ्तारियां हुईं।

गुजरात में 1 हजार से ज्यादा बांग्लादेशी हिरासत में

अहमदाबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्य सरकारों को विदेशी नागरिकों की पहचान करने और उन्हें वापस भेजने का निर्देश दिया था। इसके बाद गुजरात सरकार ने पुलिस और क्राइम ब्रांच को राज्य के बड़े शहरों और गांवों में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को तुरंत हिरासत में लेने का आदेश दिया। गुजरात पुलिस का ऑपरेशन शनिवार रात 12 बजे शुरू हुआ, जो अब तक जारी है। शनिवार रात 12 से सुबह 6 बजे तक अहमदाबाद में 890 और सूरत से 134 लोगों को हिरासत में लिया गया था। सभी के दस्तावेजों की जांच चल रही है। कुछ के पास से नकली आधार कार्ड भी मिले हैं। पुलिस ने सभी के फोन भी जब्त कर लिए हैं। शनिवार को हुई थी सीक्रेट मीटिंग गृहमंत्री अमित शाह के निर्देश के बाद गुजरात पुलिस प्रमुख विकास सहाय के साथ गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के घर पर शनिवार दोपहर को एक सीक्रेट मीटिंग हुई थी। इस बैठक में अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर, अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस कमिश्नर शरद सिंघल और सूरत पुलिस कमिश्नर समेत बड़े अधिकारी मौजूद थे। मीटिंग में अहमदाबाद और सूरत में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाकर विदेशी नागरिकों को पकड़ने से लेकर उन्हें वापस भेजने तक के सभी पहलुओं पर चर्चा की गई।

राजस्थान-यूपी समेत 8 राज्यों में हीटवेव अलर्ट, 40 डिग्री पार जा सकता है टेम्परेचर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने अरुणाचल, सिक्किम समेत पूर्वोत्तर के 8 राज्यों में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड समेत 10 राज्यों में ओले गिरने की संभावना जताई है। मौसम के इस बदलाव से इन राज्यों में पड़ रही तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, यूपी, मध्यप्रदेश, गुजरात में अगले 4 दिन तक हीट वेव और गर्मी का असर कम नहीं होने वाला है। ओडिशा के झारसुगुड़ा और बौध, महाराष्ट्र के परभणी, उत्तर प्रदेश के कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, हमीरपुर और गाजीपुर, बिहार के गया, औरंगाबाद और देहरी में पारा 44 डिग्री के पार रिकॉर्ड किया गया।

राजस्थान के 16 शहरों में पारा 40 डिग्री से ज्यादा रहा।

पाक नागरिक अब 29 तक जा सकेंगे वापस

अमृतसर (एजेंसी)। भारत में वीजा लेकर आए पाकिस्तानी नागरिक अब 29 अप्रैल 2025 तक वापस अपने देश जा सकते हैं। गृह विभाग ने ये फैसला लिया है। लेकिन इसमें वीजा को लेकर कोई भी बढ़ोतरी नहीं की गई है। वहीं, जिनका लॉन्ग टर्म वीजा अब तक स्वीकृत नहीं हुआ है, उन्हें भी भारत छोड़कर वापस पाकिस्तान लौटने का आदेश दिया गया था। इसी के चलते आज भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के अटारी-वाघा गेट पर आज भी पाक नगारिकों की भीड़ देखने को मिली। कई परिवार अपने सामान के साथ लाइन में लगे नजर आए। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और छोटे बच्चे भी शामिल हैं। कई लोग भावुक होकर अपने भारतीय रिश्तेदारों से विदा लेते रहे। गृह मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, पाकिस्तान के वे नागरिक जो भारत में वीजा शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं या जिनके वीजा बढ़ाने की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हुई है, उन्हें तत्काल देश छोड़ना होगा। पुलिस और इमिग्रेशन विभाग के अधिकारियों ने इन निर्देशों को सख्ती से लागू करने की तैयारी कर ली है। गुरदासपुर, अमृतसर, फिरोजपुर और पंजाब के अन्य सीमावर्ती जिलों से भी कई पाकिस्तानी नागरिक आज सीमा की ओर रवाना हुए हैं। अधिकारी हर स्थान पर दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं ताकि कोई भी बिना अनुमति भारत में न रह सके। बीते दिन, शनिवार, कई पाकिस्तानी नागरिकों ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भारत में उनके रिश्तेदार, दोस्त और जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। दिल नहीं वापस लौटा जाए, लेकिन मजबूरी है।

बीएसएफ जवान की 4 दिन बाद भी रिहाई नहीं

फिरोजपुर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के अगले दिन पंजाब के फिरोजपुर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा से पकड़े गए ? बीएसएफ जवान पीके साहू अब भी पाकिस्तानी रेंजर्स की गिरफ्त में हैं। घटना को 4 दिन बीत चुके और 3 बार फ्लैग मीटिंग भी हो चुकी हैं, लेकिन जवान की रिहाई नहीं हो सकी।

इस पर पाकिस्तानी रेंजर्स का कहना है कि जब तक उन्हें हाई कमांड से निर्देश नहीं मिलते, वे जवान को रिहा नहीं कर सकते। मामला सामने आने के बाद शुक्रवार शाम को बीएसएफ के डायरेक्टर जनरल दलजीत सिंह चौधरी ने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन से भी इस बारे

में बातचीत कर इस मुद्दे को उच्च स्तर पर उठाया। जवान की पत्नी रजनी ने कहा, मैं अपने पति को वापस लाने के लिए फिरोजपुर जाऊंगी। अभी मेरी टिकट कन्फर्म नहीं हुई है। वहां अधिकारियों से बात करके पति को वापस लाने में मदद करने के लिए कहूंगी। अगर यहां कोई जवाब नहीं मिला तो मैं दिल्ली जाकर अधिकारियों से मिलूंगी।

राणा सांगा को गद्दार कहने वाले सपा सांसद पर हमला

अलीगढ़/बुलंदशहर (एजेंसी)। राणा सांगा को गद्दार कहने वाले सपा सांसद रामजीलाल सुमन के काफिले पर रविवार को हमला हो गया। रामजीलाल सुमन 20 गाड़ियों के काफिले के साथ आगरा से बुलंदशहर जा रहे थे। अलीगढ़ के खेरेश्वर चौराहे पर क्षत्रिय समाज के कुछ युवा सड़क पर उतर आए। सांसद के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस पर काफिले की गाड़ियां तेजी से भागने लगीं। इससे करीब 500 मीटर आगे जाकर काफिले की 5 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस पूरी घटना में 6-7 लोग चोटिल हो गए। यहां से सांसद का काफिला फिर आगे बढ़ा। तभी गभाना टोल प्लाजा से पहले क्षत्रिय समाज के युवक अचानक हाईवे पर आ गए। काफिले पर टायर और पत्थर फेंकने लगे। हमले के बाद समर्थकों और पुलिसकर्मियों ने रामजीलाल को सुरक्षा घेरे में ले लिया। सपा सांसद बुलंदशहर में एक दलित परिवार से मिलने जा रहे थे। करणी सेना ने पहले ही चेतावनी दी थी। कहा था कि सपा सांसद से जवाब मांगने के लिए जगह-जगह उनके खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा। हमले के बाद घबराए रामजीलाल सुमन ने आगरा में कहा- ये सब साजिश के तहत हो रहा है। एक वर्ग के लोग मेरी हत्या की साजिश रच रहे हैं।

मध्यप्रदेश के मंदसौर में वैन कुएं में गिरी, 12 की मौत

मंदसौर (एजेंसी)। एमपी के मंदसौर में ईको वैन बाइक से टकराकर कुएं में गिर गई। हादसे में मृतकों की संख्या 10 से बढ़कर 12 हो गई है। इनमें बाइक सवार और कार सवारों को बचाने के लिए कुएं में उतरा ग्रामीण मनोहर सिंह भी शामिल है।

शवों को कुएं से निकालने के लिए एसडीईआरएफ की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम रस्सियों के सहारे कुएं में उतरी और लोगों को बचाने गए मनोहर सिंह की लाश को निकाला। वहीं, क्रेन की मदद से वैन भी निकाली जा चुकी है। कुएं में 8 से 10

फीट पानी बचा है जिसे मोटर के जरिए निकाला जा रहा है। कुआं खाली होने के बाद ही कंफर्म हो पाएगा कि अब कोई लाश कुएं में है या नहीं। घायलों में शामिल 3 साल की बच्ची समेत चार लोगों को रेस्क्यू करके मंदसौर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाइक सवार की पहचान आबाखेड़ी निवासी गोबर सिंह के तौर पर हुई है।

लव मैरिज से नाराज पिता ने बेटी-दामाद को गोली मारी

महाराष्ट्र (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव में लव मैरिज से नाराज पिता ने बेटी और दामाद को गोली मार दी। बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दामाद गंभीर रूप से घायल है। घटना चोपड़ा शहर की है।

घटना के बाद शादी में मौजूद लोगों ने किरण मंगले को पकड़ लिया और बुरी तरह पीटा। पुलिस ने किरण को हिरासत में ले लिया और इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया।

आरोपी किरण मंगले सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स में रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर है। उसकी बेटी तृप्ति ने एक साल पहले अविनाश से शादी की थी। शादी के बाद से दोनों पुणे में रह रहे थे।? रिश्तेदार की शादी में शामिल होने आया था कपल 26 अप्रैल की रात तृप्ति और अविनाश एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने आए थे। इसकी जानकारी मिलने के बाद

मंगले शादी स्थल पर बंदूक लेकर पहुंचा। उसने अपनी बेटी और दामाद को देखते ही गोली चला दी, जिससे तृप्ति की मौत हो गई और अविनाश घायल हो गया। हमले में एक अन्य महिला भी घायल हुई है। जलगांव में लव मैरिज करने वाले लोगों की हत्या का यह पहला मामला नहीं है। इसी साल जनवरी के महीने में लव मैरिज के चार साल बाद आरोपी ने दामाद की हत्या कर दी थी। जलगांव के पिंपराला क्षेत्र में 26 साल के युवक मुकेश शिरसाठ पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, मुकेश ने चार साल पहले परिवार की इजाजत के बिना पूजा से भागकर शादी की थी। लव मैरिज से पूजा के घरवाले नाराज थे और बदला लेना चाहते थे। जब मुकेश अपनी दुकान पर जाने के लिए घर से निकला, तो उसके ससुराल वालों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया।

थरूर बोले- किसी देश का खुफिया तंत्र 100 प्रतिशत फुलप्रूफ नहीं

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पहलगाम आतंकी हमले की तुलना आतंकी संगठन हमास के इजराइल पर किए हमल से की। उन्होंने कहा- इजराइल के पास मजबूर खुफिया तंत्र होने के बावजूद हुआ। क्योंकि उन्हें हमले की जानकारी नहीं थी। किसी भी देश के पास कभी भी 100 प्रतिशत खुफिया जानकारी नहीं हो सकती है। थरूर ने कहा- बिलावल भुट्टो का सिंधु जल रोकने पर दिया खून बहने वाला बयान केवल भड़काऊ बयानबाजी है। हम पाकिस्तानियों को कुछ नहीं करना चाहते, लेकिन अगर वे हमारे साथ कुछ करते हैं, तो जवाब के लिए तैयार रहें। अगर खून बहेगा तो हमारे मुकाबले उनकी तरफ ज्यादा बहेगा। थरूर ने कहा- पहलगाम हमले में एक पैटर्न है। लोगों को उकसाया जाता है, ट्रेंड किया जाता है,

हथियार दिए जाते हैं। अक्सर सीमा पार से डायरेक्ट किया जाता है और पाकिस्तान सभी जिम्मेदारी से इनकार करता है। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई। इसमें एक नेपाल का नागरिक भी था। 17 लोग घायल हुए। पीड़ितों के मुताबिक- आतंकियों ने पहले नाम और धर्म पूछा इसके बाद पास से गोलियां मारीं। इजराइल का उदाहरण हमारे पास इजराइल का उदाहरण है। उनके पास दुनिया की सबसे अच्छी खुफिया एजेंसी की बात कही जाती है। दो साल पहले 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने अटैक किया। जिसने सबको चौंका दिया। जिस तरह इजरायल युद्ध के अंत तक जवाबदेही का इंतजार कर रहा है। उसी तरह हमें भी मौजूदा संकट को देखना चाहिए और सरकार से जवाबदेही मांगनी चाहिए। जो हमले रोके उनकी भी बात हो हम उन आतंकी हमलों के बारे में नहीं जान पाते जिन्हें सफलतापूर्वक विफल कर दिया गया। हम केवल उन हमलों के बारे में ही जान पाते हैं, जिन्हें नहीं रोक सके। यह किसी भी देश में सामान्य बात है। मैं मानता हूं कि विफलताएं भी थीं, लेकिन अभी हमारा मुख्य ध्यान इस पर नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान पर हो सकता है सख्त एक्शन 2016 के उरी अटैक बाद भारत सरकार ने बॉर्डर पर सर्जिकल स्ट्राइक की। 2019 के पुलवामा अटैक के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक की। अब मुझे लगता है कि हम इससे भी ज्यादा कुछ देखने जा रहे हैं। यह साफ है कि हमारे पास कई ऑप्शन हैं- कूटनीतिक, आर्थिक, खुफिया जानकारी शेयर करना, साइलेंट और खुली कार्रवाई इसमें शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

प्रियांश आर्य और अभिषेक से प्रभावित हैं स्टोइनिस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट में काफी गहराई है। आईपीएल में पंजाब किंग्स की तरफ से खेल रहे स्टोइनिस ने युवा भारतीय क्रिकेटरों की जमकर प्रशंसा की है। स्टोइनिस ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय युवा खिलाड़ी निडर होकर खेलते हैं वह सराहनीय है। स्टोइनिस के अनुसार इसी कारण भारतीय टीम को टी20 प्रारुप से रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के एकसाथ संन्यास लेने से भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इनकी जिम्मेदारी बाद तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों ने अच्छी तरह से संभाल ली है। वह पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य के प्रदर्शन से भी प्रभावित नजर आये। स्टोइनिस ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट में काफी गहराई है। वह हमेशा से रही है। और मेरा मानना है कि आईपीएल से उनके खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपने कौशल का नमूना पेश करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा, ' युवा खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हैं क्योंकि उन्हें अपने करियर की में ही आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में दबाव के हालातों से गुजरने का लाभ मिल जाता है। खेल के प्रति उनका आक्रामक रवैया वास्तव में शानदार है।

लेमिंग ने माना नीलामी में हुई गलती

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कोच स्टीफन फ्लेमिंग आईपीएल सत्र में टीम के खराब प्रदर्शन से बेहद निराश हैं। फ्लेमिंग ने माना है कि टीम प्रबंधन से मेगा नीलामी में गलतियां हुई जिसके कारण सही टीम नहीं बन पायी है। सीएसके इस सत्र में नौ मैच में से सात में हारी है। फ्लेमिंग ने कहा, ''यह कहना मुश्किल है। हमने जो प्रदर्शन किया है, उसमें हमने इसे पूरी तरह से सही पाया है। इसलिए हम अपनी खेल शैली पर फिर से विचार नहीं कर रहे हैं। साथ ही यह भी देख रहे हैं कि खेल कैसे विकसित हो रहा है और इससे तालमेल कैस बनाया जाये। उन्होंने कहा, ''यही वजह है कि हमें अपने रिकॉर्ड पर गर्व है क्योंकि हम लंबे समय तक अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में सफल रहे। साथ ही कहा कि दूसरी राह पकड़ने में ज्यादा समय नहीं लगता।'' फ्लेमिंग ने स्वीकार किया कि उनकी टीम से कुछ गलतियां हुई हैं जिसका संबंध नीलामी से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, ''अन्य टीम हमसे बेहतर होती गई और यहीं पर नीलामी की गलती सामने आता है। हम इसको सही नहीं कर पाए इसलिए आपको हर चीज के लिए जिम्मेदारी लेनी होगी। नीलामी कोई आसान काम नहीं है जो मानसिक और शारीरिक रूप से थका देने वाला होता है हालाकं मेरा मानना है कि हमने अच्छी टीम का चयन किया था।''

वैभव सूर्यवंशी को रवि शास्त्री ने दी करियर की सबसे बड़ी सीख

मान ले तो बन जाएगी जिंदगी

मुम्बई एजेंसी। रवि शास्त्री का मानना है कि वैभव सूर्यवंशी को अपने करियर में बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए असफलताओं से निपटना सीखना होगा। 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की भावना और तीव्रता ने भी शास्त्री को प्रभावित किया। शास्त्री ने बताया कि कैसे आईपीएल पूरे भारत में अप्रयुक्त क्षमता के लिए लॉन्चिंग पैड बन गया है, जिसमें युवा निडर होकर बड़े मंच पर कदम रख रहे हैं। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि वैभव सूर्यवंशी को अपने करियर में बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए असफलताओं से निपटना सीखना होगा। 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की भावना और तीव्रता ने भी शास्त्री को प्रभावित किया। इस बल्लेबाज ने लखनऊ सुपर जायंट्स केखिलाफ पारी की शुरुआत की और 20 गेंदों पर 34 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें आईपीएल में अपनी पहली ही गेंद पर शार्दुल ठाकुर को छक्का लगाना भी शामिल है। शास्त्री ने बताया कि कैसे आईपीएल पूरे भारत में अप्रयुक्त क्षमता के लिए लॉन्चिंग पैड बन गया है, जिसमें युवा निडर होकर बड़े मंच पर कदम रख रहे हैं। लेकिन दूसरी ओर, उन्होंने सावधानी भी बरती। उन्होंने कहा कि, लोग नई चीजें लेकर आएंगे। उस पर बहुत सारी छोटी चीजें फेंकी जाएंगी। जब आप किसी की पहली गेंद पर छक्का लगाते हैं तो आप कोई दया नहीं दिखाते। फिर आपको परवाह नहीं होती कि वह 14 साल का है या 12 साल का या 20 साल का है। उन्होंने कहा कि, मेनू वही है जो आप परोसते हैं। इसलिए उसे इसकी आदत डालनी होगी और एक बार जब हम उसे संभालते हुए देखेंगे तो आप उचित निर्णय ले पाएंगे। उन्होंने कहा कि, लेकिन जब आपको लगता है कि कोई खिलाड़ी अच्छा है, तो उसे मौका दें क्योंकि आप जानते हैं कि उसे सिर्फ देखना ही अहम नहीं है। बल्कि अगर वह अच्छा खेलता है और आत्मविश्वास से भरा है और आपको लगता है कि वह उच्च स्तर पर भी अच्छा प्रदर्शन कर सकता है तो उसे चुनें।

विराट कोहली को लेकर उठे सवाल पर आरसीबी कोच ने दिया बेबाक बयान

एजेंसी। मालोलन रंगराजन ने विराट कोहली के आईपीएल 2025 में स्पिनरों के खिलाफ बेहतर स्ट्राइक रेट पर कहा कि इस भारतीय सुपर स्टार को स्पिन के खिलाफ अपने खेल को निखारने के लिए अतिरिक्त घंटे लगाने की जरूरत नहीं है। आईपीएल में पहले भी बीच के ओवरों में कोहली के स्पिनरों के खिलाफ खेलने पर सवाल उठाए गए हैं लेकिन पिछले साल की बात करें तो मालोलन ने कहा कि कोहली को अलग थलग करना उचित नहीं है। आरसीबी के स्पिन गेंदबाजी कोच मालोलन रंगराजन ने विराट कोहली के आईपीएल 2025 में स्पिनरों के खिलाफ बेहतर स्ट्राइक रेट पर कहा कि इस भारतीय सुपर स्टार को स्पिन के खिलाफ अपने खेल को निखारने के लिए अतिरिक्त घंटे लगाने की जरूरत नहीं है। आईपीएल में पहले भी बीच के ओवरों में कोहली के स्पिनरों के खिलाफ खेलने पर सवाल उठाए गए हैं लेकिन पिछले साल की बात करें तो मालोलन ने कहा कि कोहली को अलग थलग करना उचित नहीं है। मालोलन ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि, पिछले सत्र में केवल विराट ही ऐसा नहीं थे जो वांछित स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी नहीं कर रहे थे। बल्कि ये पूरे टीम थी। इसलिए मुझे लगता है कि पूरी टीम के साथ हुआ। यही हुआ। ये पहला भाग है उन्होंने कहा कि, दूसरा भाग व्यक्तिगत रूप से विराट कोहली के बारे में है। उन्हें बाएं हाथ के स्पिन और लेग स्पिन के खिलाफ अतिरिक्त अभ्यास करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने 20-25 वर्षों तक बल्लेबाजी की है। मालोलन ने कहा कि, वह एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उन्हें बस ये तय करना है कि वह क्या करना चाहते हैं और किसी विशेष गेंदबाज से कैसे निपटना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि, वह इतने लंबे समय से खेलने के बाद भी लगातार सुधार करने की कोशिश कररहे हैं। जो मेरे लिए अविश्वसनीय है। कोहली आईपीएल 2024 में 741 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जिसमें तेज गेंदबाजी और स्पिन के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट क्रमशः 168.79 और 137.9 था।

अश्विनी वैष्णव ने इले ट्रॉनि स उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने डिजायन टीम बनाने की दी सलाह

नई दिल्ली,(एजेंसी)। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने के लिए डिजायन टीम बनानी होगी और अपने उत्पादों की गुणवत्ता को उच्चतम स्तर तक पहुंचाना होगा। मंत्री ने यह भी कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स कल-पुर्जों की विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत कंपनियों की मंजूरी देने से पहले इन दोनों कारकों पर ध्यान दिया जाएगा, हालांकि इसे औपचारिक मानदंड के रूप में नहीं रखा जाएगा। वैष्णव ने कहा, मैं इस योजना में भाग लेने वाली हर कंपनी से डिजायन टीम बनाने का अनुरोध करता हूं। हालांकि, इसे औपचारिक मानदंड नहीं बनाया गया है, यह एक अनौपचारिक मानदंड के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ कंपनियों ने अपनी डिजायन टीम में 5,000 इंजीनियर शामिल किए हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया, यदि आपके पास डिजायन टीम नहीं है और आप सभी आवश्यक मापदंडों को पूरा कर रहे हैं, तब भी हम आपको मंजूरी नहीं देंगे। डिजायन टीम बनानी ही होगी। इसके साथ ही मंत्री ने उत्पादों की गुणवत्ता पर भी जोर दिया। उन्होंने कंपनियों से आग्रह किया कि वे सिक्स सिग्मा गुणवत्ता स्तर हासिल करें, जो उच्चतम गुणवत्ता और दक्षता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, सिक्स सिग्मा से कम कुछ भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम केवल विनिर्माण की मात्रा पर नहीं, बल्कि उत्पादों की गुणवत्ता पर भी आपकी प्रगति का मूल्यांकन करेंगे।

सिस सग्मा से आशय?

सिक्स सिग्मा से आशय है एक ऐसी गुणवत्ता प्रक्रिया, जिसका उद्देश्य त्रुटियों को न्यूनतम करना, विविधताओं को दूर करना और गुणवत्ता एवं दक्षता को बढ़ाना है। मंत्री अश्विनी वैष्णव का यह बयान कंपनियों को यह संदेश देता है कि सिर्फ मापदंडों को पूरा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उच्च गुणवत्ता और बेहतर डिजायन प्रक्रिया पर भी ध्यान देना आवश्यक होगा, यदि वे सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाना चाहती हैं।

आरसीबी के कोच द्वारा हेजलवुड की जमकर प्रशंसा

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने अपनी टीम के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जमकर प्रशंसा की है। फ्लावर ने कहा कि हेजलवुड खेल के किसी भी प्रारूप में आसानी से दबाव का सामना करते हैं और जानते हैं कि कब कैसे गेंदबाजी करनी है। आरसीब के अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचने में भी हेजलवुड की अहम भूमिका रही है। इस गेंदबाज ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने अंतिम दो ओवरों में केवल सात रन देकर 4 विकेट लिए थे। फ्लावर ने कहा, 'मैं उनके आखिरी दोनों ओवरों की बात करूंगा क्योंकि उनके दो ओवरों में केवल सात रन गए और उन्होंने तीन विकेट लिए। उन दोनों ओवरों से पता चलता है कि वि किस स्तर का गेंदबाज है। उसके पास किसी भी प्रारूप में खेलने की क्षमता है। मुझे पता है कि उसे एक ही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी के लिए जाना जाता है पर उसके पास हर तरह की गेंदबाजी करने की क्षमता है। वहीं जिम्बाब्वे के इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'उसने यॉर्कर, वाइड यॉर्कर और धीमी गेंदों का शानदार मिश्रण किया। उसे पता है कि कब किस तरह की गेंदबाजी करनी है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार सर्वकालिक उच्च स्तर के करीब

नई दिल्ली एजेंसी। अमेरिकी टैरिफ से दुनिया भर की अर्थव्यस्था परेशान है लेकिन भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर इसका कोई असर नहीं हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 18 अप्रैल, 2025 को खत्म हुए हफ्ते में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 8.31 अरब डॉलर बढ़कर 686.14 अरब डॉलर पर पहुंच गया। ये लगातार सातवां हफ्ता है, जब भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान देश में सोने के भंडार में भी इजाफा हुआ है। उधर, पड़ोसी देश पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी की खबर है। इसके पहले 11 अप्रैल को खत्म हुए हफ्ते में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 1.57 अरब डॉलर बढ़कर 677.83 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर, 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.89 अरब डॉलर के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों

के मुताबिक, 18 अप्रैल को खत्म हुए हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का महत्वपूर्ण हिस्सा फॉरेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) 3.52 अरब डॉलर से बढ़कर 578.49 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी फॉरेन करेंसी के मूल्य में बढ़ोतरी या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, गोल्ड रिजर्व 4.57 अरब डॉलर बढ़कर 84.57 अरब डॉलर हो गया। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) में देश का स्पेशल ड्राइंग राइट (एसडीआर) 21.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.57 अरब डॉलर हो गया। जबकि आईएमएफ में देश का आरक्षित विदेशी मुद्रा भंडार 70 लाख डॉलर बढ़कर 4.51 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ??के अनुसार, भारत के वित्तीय बाजार, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक गतिशील और मजबूत ताकत के रूप में विकसित हुए हैं। विदेशी मुद्रा बाजार 2020 में 32 बिलियन डॉलर से लगभग दोगुना होकर 2024 में 60 बिलियन डॉलर हो गया है और ओवरनाइट मनी मार्केट में औसत दैनिक वॉल्यूम इस चार साल की अवधि में लगभग 3 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 5.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

कृष्णा भविष्य में भारतीय टीम के लिए भी बड़ी भूमिका निभाएंगे - रायुडू

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले समय में भारतीय टीम की ओर से अहम भूमिका निभाएंगे। कृष्णा ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। वह अभी तक सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज होने के कारण पर्पल कैप के दावेदार हैं। गुजरात की टीम अभी अंक तालिका में शीर्ष पर है और उसकी ओर से कृष्णा ने अब तक 16 विकेट लिए हैं। कृष्णा पिछले काफी समय से फिटनेस की दिक्कतों के कारण खेल से दूसरे थे पर इस साल की शुरुआत में ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में छह विकेट लेकर अपनी क्षमताएं दिखायीं थीं। इसके बाद से ही वह लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। रायुडू ने कहा, वह शानदार लय में दिख रहे हैं। उनकी ताकत पिच पर जोरदार तरीके से गेंद फेंकना है । उनकी गेंदबाजी में बहुत सारी विविधताएं हैं, उनकी धीमी गेंद भी काफी प्रभावी है। मुझे लगता है कि वह न केवल गुजरात ही नहीं भारतीय टीम के लिए भी भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। वहीं पूर्व दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी मार्क बाउचर भी रायुडू से सहमत हैं और उनका भी कहना है कि कहा कि कृष्णा अच्छी गति से गेंदबाजी कर रहे हैं और गुजरात को काफी फायदा पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह अपनी गेंदबाजी का आनंद लेते हैं। वह विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में सामने आये हैं जो दबाव हटाता है। उनकी गति बढ़ गई है। उनकी लैंथ के कारण उन्हें अच्छा उछाल मिलता है। जब वह गेंदबाजी करते हैं तो ऑफ स्टंप पर अच्छी और टाइट गेंद डालते हैं। इसलिए गेंद को ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं पड़ती।

मनोज तिवारी बोले कोच पॉंटिंग के कारण खिताब नहीं जीत सकेगी पंजाब

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और वह खिताब की प्रबल दावेदार है। वहीं अब भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग पर सवाल उठाते हुए कहा है कि पंजाब की टीम खिताब नहीं जीत पायेगी। तिवारी पोंटिंग के कोचिंग के तौर तरीके से खुश नहीं हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा है कि जिस प्रकार से पोंटिंग भारतीय खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर रहे हैं उससे पंजाब को नुकसान होगा। तिवारी ने सोशल मीडिया में लिखा, मुझे लगता है कि इस सत्र में भी पंजाब किंग्स आईपीएल खिताब नहीं जीत पाएगी। मैंने देखा कि कोच भारतीय खिलाड़ियों से ज्यादा विदेशी खिलाड़ियों पर भरोसा कर रहे हैं। इसी कारण नेहल वडेरा और शशांक सिंह के बेहतर प्रदर्शन के बाद भी इस सत्र में रन बनाने में विफल रहे ग्लेन मैक्सवेल और मार्को येनसन को को आगे भेजा जा रहा है।

अनंत अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। उद्योगपति मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी को एक मई 2025 से पांच वर्षों के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि निदेशक मंडल ने 25 अप्रैल को हुई बैठक में मानव संसाधन, नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश पर विचार करने के बाद यह निर्णय लिया। अनंत फिलहाल गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में कंपनी से जुड़े हैं और उनकी पूर्णकालिक कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्ति, कंपनी के सदस्यों की मंजूरी के अधीन होगी। ब्राउन यूनिवर्सिटी से स्नातक अनंत अंबानी, अपने भाई-बहनों में रिलायंस में कार्यकारी निदेशक बनने वाले

पहले सदस्य हैं। अगस्त 2022 में उन्हें कंपनी के ऊर्जा व्यवसाय का प्रमुख बनाया गया था। इसके अलावा वह मार्च 2020 से जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड, मई 2022 से रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड, और जून 2021 से रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड एवं रिलायंस न्यू सोलर एनर्जी लिमिटेड के निदेशक मंडल का भी हिस्सा हैं। सितंबर से वे रिलायंस फाउंडेशन के बोर्ड में भी जुड़े हुए हैं। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2023 में मुकेश अंबानी ने अपने तीनों बच्चों- आकाश, ईशा और अनंत को रिलायंस समूह के निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी निदेशकों के रूप में नियुक्त किया था, जो अंतिम उत्तराधिकार योजना की दिशा में एक अहम कदम माना गया। अंबानी के सबसे बड़े बेटे आकाश जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन हैं, जबकि ईशा रिलायंस की खुदरा, ई-कॉमर्स और लक्जरी कारोबार इकाइयों का संचालन करती हैं। तीनों बच्चे जियो प्लेटफॉर्म्स के बोर्ड का भी हिस्सा हैं, जो रिलायंस के दूरसंचार, डिजिटल और रिटेल कारोबार का मुख्य आधार है।

पूर्व तेज गेंदबाज बोला, इस कारण असफल हो रहे वेंकटेश अय्यर

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर इस सत्र में असफल रहे हैं जबकि उन्हें फ्रैंचाईजी ने नीलामी में 23.75 करोड़ रुपये की मोटी रकम देकर खरीदा था। वह टीम के उपकप्तान होने के बाद भी 8 मैचों में केवल 135 रन ही बना पाये हैं। इस दौरान उनका औसत 22.5 का है और स्ट्राइक रेट 140 रहा है। वहीं पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह ने कहा है कि नीलामी में मिली अधिक मोटी रकम से उनके ऊपर अपने को साबित करने का दबाव है। इसी कारण हो रहे तनाव से वह अब तक असफल रहे हैं। इस पूर्व गेंदबाज के अनुसार वेंकटेश अपनी बल पर टीम को जीत दिलाना चाहते हैं। सिंह ने कहा, जब किसी खिलाड़ी को नीलामी में इतनी बड़ी कीमत पर चुना जाता है, तो कहीं न कहीं आपके दिमाग में यह बात आती है कि वह या तो आपका मुख्य खिलाड़ी है या फिर कप्तानी के लिए उपयुक्त खिलाड़ी पर यहां तो वह दोनों में से कोई भी नहीं निकला। इसलिए मुझे लगता है कि नीलामी के दौरान और चयन के दौरान केकेआर की ओर से भी कुछ गलती हुई है। उन्होंने आगे कहा, आपने अपने सबसे बेहतरीन कप्तान को जाने दिया और अब वह दूसरी टीम की कप्तानी में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि इस खिलाड़ी को अभी बाहर करना एक बढ़िया विकल्प है, क्योंकि आपने उसे पहले ही कई मैच दे दिए हैं। फॉर्म की समस्या किसी भी खिलाड़ी के साथ हो सकती है पर आमतौर पर, आप जितने ज़्यादा मैच खेलते हैं, आपकी फॉर्म उतनी ही बेहतर होता जाता है। उसे बाहर करना वास्तव में समस्या का कोई समाधान नहीं है। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, हो सकता है कि जिस रकम में उसे खरीदा गया है, वह उसके दिमाग में चल रही हो। शायद वह सोच रहा हो कि मुझे इतनी बड़ी रकम में खरीदा गया है, मुझे अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए और अपनी टीम को खिताब तक ले जाना चाहिए।

नीरज चोपड़ा के समर्थन में उतरे योगेश्वर दत्त

नई दिल्ली एजेंसी। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को हाल ही में सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणियों और ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। ये विवाद तब शुरू हुआ जब नीरज ने पाकिस्तान के जेवलिन थ्रोअर और पेरिस ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता अरशद नदीम को बेंगलुरु में होने वाले एनसी क्लासिक में आमंत्रित किया। इस निमंत्रण के बाद नीरज और उनके परिवार की निष्ठा पर सवाल उठाए गए। वहीं अब नीरज चोपड़ा के समर्थन में भारतीय पहलवान योगेश्वर दत्त उतरे हैं। योगेश्वर दत्त ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में नीरज चोपड़ा की देशभक्ति और उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने लिखा कि, नीरज भाई, आपको

न अपनी देशभक्ति साबित करने की जरूरत है और ना ही खुद को। एक खिलाड़ी और सैनिक ही विदेशी धरती पर तिरंगा लहराकर देश का नाम रोशन करता है। आप एक खिलाड़ी होने के साथ-साथ सैनिक भी हैं। उन्होंने आगे लिखा कि, ये लोग जो बकवास करते हैं वे छोटी सोच वाले वैचारिक लोग हैं जिन्हें ना देश से मतलब है और न ही देशभक्ति से। आप चैंपियन हैं, आप राष्ट्र के नेता हैं बस ऐसे ही आगे बढ़ते रहे। चैंपियन हमेशा सर्वश्रेष्ठ होता है। योगेश्वर जो बार एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल पदक विजेता रहे हैं उन्होंने नीरज को न केवल एक खिलाड़ी बल्कि देश का गौरव भी बताया है। बता दें कि, नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को एक लंबे समय सोशल मीडिया पोस्ट में अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले जिसमें 26 लोगों की जान गई के बाद अरशद नदीम का एनसी क्लासिक में शामिल होना पूरी तरह असंभव था। भारतीय सेना में सूबेदार मेडर के पद पर कार्यरत नीरज ने कहा कि पिछले 48 घंटों में जो कुछ हुआ उसके बाद अरशद का एनसी क्लासिक में आना संभव नहीं था। मेरे देश और उसके हित हमेशा पहले होंगे। उन्होंने आतंकी हमले में अपने लोगों को खोने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और कहा कि, मैं पूरे देश के साथ इस घटना से दुखी और गुस्से में हूं। मुझे विश्वास है कि हमारा देश इसका जवाब अपनी ताकत से देगा और न्याय होगा।

खास ऑफर्स लेकर आई मारुति सुजुकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चालू महीने में मारुति सुजुकी ने अपनी बलेनो कार पर ग्राहकों के लिए खास ऑफर्स लेकर आई है। बलेनो, हयूदै आई20, टाटा अल्ट्राज और टोयोटा ग्लाझा जैसी कारों से प्रतिस्पर्धा करती है और लंबे समय से इस श्रेणी में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही है। बलेनो की कीमत रुपए 6,70,000 से रुपए 9,92,000 (एक्स-शो रुम) तक है और इस पर कुल रुपए 57,100 तक के ऑफर्स उपलब्ध हैं। इनमें रिगल किट रुपए 42,280 और अतिरिक्त रुपए 27,100 के ऑफर्स शामिल हैं।

रतहरा से जोगिनिहाई टोल प्लाजा पहुंची आरटीओ की उड़नदस्ता वाहन, कर्मचारियों को मिला पहले से ज्यादा मलाई लूटने का मौका

आरटीओ की उड़नदस्ता वाहन से एक दिन में हो रहा करोड़ों का कारोबार, घर बैठे मज़ा लूट रहे अधिकारी

10 मिनट में 50 से अधिक वाहनों से हो जाती है अवैध वसूली

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आरटीओ यानी परिवहन विभाग की मनमानी और लापरवाही के किस्से तो आए दिन सामने आते ही हैं वहीं आरटीओ की उड़नदस्ता वाहन के द्वारा किए जा रहे अवैध वसूली के कार्य भी इन दिनों जगजाहिर ही हैं। जहां हाइवे में निकलने वाले भारी वाहन और बाहरी वाहनों को टारगेट करके उड़नदस्ता के मुखिया के इशारे पर भारी मात्रा में लूट की जाती है। सोचने की बात यह है कि सरकारी अमले के द्वारा लुट की वारदात को कैसे अंजाम दिया जा सकता है तो इसके लिए हम बताते चले आरटीओ का उड़नदस्ता वाहन बिना आधिकारिक मुखिया की उपस्थिति में ही प्रायवेट व्यक्तियों के द्वारा हाइवे से निकलने वाले वाहनों की चेकिंग कर गैर आधिकारिक कमाई में लिप्त हो गया है जिसमें उड़नदस्ता वाहन के प्रायवेट कर्मी नेशनल हाईवे क्रमांक 30 से निकलने वाले वाहनों को चेक करके उनकी कमी निकालते हुए उनसे मोटी रकम वसूली जाती है।

दरअसल आरटीओ विभाग की उड़नदस्ता वाहन की अवैध वसूली का खेल अभी तक रतहरा बाईपास में किया जा रहा था परंतु स्थानीय लोगों के विरोध के चलते यहां की वसूली नाकाम हो गई जिसके लिए अब इस उड़नदस्ता वाहन को जोगिनिहाई टोल प्लाजा के समीप तैनात किया जाता है जहां पर आने और जाने वाले वाहनों को उड़नदस्ता वाहन में बैठे प्रायवेट कर्मचारी रोकने का काम करते हैं तथा उनकी वाहनों का कागजात चेक करते हैं तथा जैसे ही वाहनों में कोई कमी निकली तो डीलिंग के 1500 रुपए से लेकर 15 हजार तक की नकली पर्ची बनाई जाती जिससे नकली पर्ची होने के चलते यह पैसा सरकारी राजस्व में न जमा होकर ऊपर तक बैठे दलाली की कमाई खाने वाले साहबों की जेब तक पहुंचाया जाता है।

बताया जा रहा है कि जब से उड़नदस्ता वाहन के आकाओं ने रतहरा बाईपास की मुख्य सड़क को छोड़कर रायपुर बाईपास से जोगिनिहाई टोल प्लाजा तक अपना डेरा जमाया है तब से विभाग की कमाई में अत्यधिक इजाफा हुआ है जहां अब तो महज 10 मिनट के भीतर ही उड़नदस्ता वाहन के द्वारा 50 से अधिक वाहनों की नकली पर्ची काटकर प्रायवेट राजस्व बढ़ाने का काम किया जाता है।

माना यह जा रहा है कि उड़नदस्ता वाहन की अवैध कमाई का कारोबार इन दिनों बड़ी तेजी के साथ फलफूल रहा है जहां रोज की करीब हजार से अधिक वाहनों पर गैर आधिकारिक चालान की पर्ची काटकर राजस्व वसूला जा रहा है जिससे हर रोज करोड़ों के आसपास की राशि अधिकारियों के निजी खाते में जा रही है।

आपको बता दें बाईपास सड़क से दिन में कम से कम हजार हाईवा वाहन निकलते हैं तथा इन वाहनों में कई मालवाहक वाहन अवैध सामग्री लेकर निकलते हैं वहीं कई वाहन अवैध तरीके से ओवरलोड होकर निकलते हैं जिसके कारण सड़क हादसों का डर भी बना रहता है इसके अलावा शासन के द्वारा बनाई गई सड़क को भी नुकसान पहुंचता है मगर इन सब बातों की परवाह किए बगैर ही साहब लोग महज अपनी जेब भरने की फिराक में रहते हैं जिससे आरटीओ पुलिस वर्दी वाले साहबों के द्वारा अपनी निजी अवैध कमाई के रूप में निकलने वाले वाहनों से रुपयों का लेनदेन किया जाता है तथा दिन में इस मैनेजमेंट के माध्यम से वह वर्तमान के दिनों में करोड़ों की कमाई कमाकर अपने घर की ओर चले जाते हैं।

सतना में महिला से मारपीट और धमकी देने पर रीवा की महिला आरक्षक निलंबित

मीडिया ऑडीटर, रीवा/सतना (निप्र)। रीवा के यूनिवर्सिटी थाने में पदस्थ महिला आरक्षक शाहीन खान को एसपी विवेक सिंह ने कदाचरण के आरोप में निलंबित कर दिया है। आरक्षक पर सतना के कोलगवां थाने में एक महिला से मारपीट करने के आरोप हैं। मामला सिंधी कैंप निवासी आशा सिंह से जुड़ा है। आशा ने पुलिस अधीक्षक सतना को शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि महिला आरक्षक शाहीन खान ने कोलगवां थाना पुलिस की मदद से उनसे मारपीट की। साथ ही धमकी दी कि जावेद खान से पैसे मांगने पर जान से मार देंगे।

महिला आरक्षक के जरिए धमकाया: घटना की पृष्ठभूमि में आशा सिंह के किरायेदार जावेद खान का मामला है। माधवगढ़ निवासी जावेद ने आशा से पहले 70,000 रुपए और फिर 2.99 लाख रुपए उधार लिए थे। दो साल में लौटाने का वादा किया था। पैसे वापस नहीं मिलने पर जब आशा ने मांग की, तो महिला आरक्षक के जरिए उन्हें धमकाया जाने लगा।

24 अप्रैल को आशा को घर से कोलगवां थाने ले जाया गया। वहां उनके साथ मारपीट की गई और धमकियां दी गईं। मामला मीडिया में आने के बाद रीवा एसपी ने कार्रवाई करते हुए महिला आरक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

नरवाई की आग 5 घरों तक पहुंची, घर व गृहस्थी जली

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले में रविवार को नरवाई में लगी आग ने 5 परिवारों की गृहस्थी को जलाकर राख कर दिया। घटना कोटर थाना क्षेत्र के ढोरी गांव में हुई। खेत में नरवाई जलाने से शुरू हुई आग हवा के कारण गांव तक पहुंच गई। इससे वीरेंद्र, प्रमोद, रामभुवन, दिलीप और मिथुन दाहिया के घरों को अपनी चपेट में ले लिया।

तेज हवा के कारण आग इतनी भयंकर हो गई कि घरों में रखा अनाज, बर्तन, कपड़े सहित पूरा सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया और दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर 2 दमकल गाड़ियां पहुंचीं, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

कोटर पुलिस और तहसीलदार भी घटनास्थल पर पहुंचे। नुकसान का आकलन करने के लिए पटवारी को सर्वे के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने नरवाई में आग लगाने पर रोक के बावजूद इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

कलेक्टर बंगले में काम करने वाले कर्मचारी से बाइक सवारों ने की लूट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में कलेक्टर के बंगले में काम करने वाले कर्मचारी और उसकी पत्नी से बाइक सवारों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने चलती हुई बाइक से झपट्टा मारकर महिला के कंधे से बैग छीन लिया। इस दौरान पति और पत्नी दोनों बाइक से गिरकर घायल हो गए। घटना रविवार दोपहर गुढ़ थाना क्षेत्र स्थित चौड़ियार मोड़ की बताई जा रही है। घटना उस वक्त हुई जब रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल के बंगले में काम करने वाला कर्मचारी मनोज कुमार रजक पत्नी के साथ रिशेदारी में गांव जा रहा था। इसी बीच रास्ते में बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने पीछा कर पहले तो ओवरटेक कर उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन पीड़ित दंपति जब नहीं रुका तो बदमाशों ने चलती हुई बाइक से झपट्टा मारकर महिला से बैग छीन लिया।

नये बस स्टैंड के समदड़िया अपार्टमेंट में हुई वारदात

युवती ने 6वीं मंजिल से लगाई छलांग, मौके पर मौत, बैग और बिना सिम वाला मोबाइल मिला

सीसीटीवी में छत पर अकेले जाती दिखी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रविवार दोपहर एक युवती ने समदड़िया अपार्टमेंट के छठे माले से कूदकर जान दे दी। मल्टी से नीचे गिरते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही समान थाना पुलिस मौके पर पहुंची। युवती के क्षत-विक्षत शव को संजय गांधी अस्पताल भिजवाया गया और मर्ग कायम किया गया।

समान थाना प्रभारी विकास कपीस ने बताया कि लगभग डेढ़ बजे युवती को अपार्टमेंट की छत पर जाते हुए देखा गया था। पूछताछ में पता चला कि वह न तो मल्टी की निवासी थी और न ही किसी परिचित की थी। मौके से एक बैग मिला, जिसमें कुछ कपड़े थे। साथ ही युवती की जेब से एक मोबाइल भी मिला, जो पूरी तरह फॉर्मेट था और उसमें सिम कार्ड भी नहीं था। युवती की उम्र करीब 25 साल बताई जा रही है।

थंब इंप्रेशन से पहचान की कोशिश: पुलिस ने शव के थंब इंप्रेशन से मृतका की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही अपार्टमेंट में लगे हर सीसीटीवी कैमरे के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। सीसीटीवी में करीब 1.29 बजे मृतका को मल्टी में प्रवेश करते हुए देखा गया है।

हालांकि, पुलिस हत्या की आशंका से भी इनकार नहीं कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। घटना स्थल बस स्टैंड परिसर के पास होने से वहां दिनभर वाहनों की आवाजाही बनी रहती है।

डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं, पुलिस युवती के परिजनों की तलाश में जुटी हुई है।

मैहर में कार की टक्कर से मासूम की मौत, शव लेकर थाने पहुंची महिला

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर की बोस कॉलोनी में शनिवार शाम तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने तीन वर्षीय मासूम बालक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में मासूम शिवांश पिता अमित सिंह चौहान की इलाज के दौरान मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शिवांश अपने घर के सामने अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। तभी एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन कॉलोनी से निकला और मासूम को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शिवांश गंभीर रूप से घायल हो गया।परिजन आनन-फानन में मासूम को सिविल अस्पताल मैहर लेकर पहुंचे, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद डॉक्टर मासूम की जान नहीं बचा सके। इलाज के दौरान शिवांश ने दम तोड़ दिया। मासूम की मौत के बाद गमगीन माहौल के बीच बालक की मां शव को गोद में उठाए सीधे मैहर थाने पहुंच गईं, उन्होंने आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

उधर, जानकारी के मुताबिक बोस कॉलोनी में विनोद सेन (55) कार (एमपी19सीबी9203) को चलाना सीख रहा था। इस दौरान अचानक कार की रफ्तार बढ़ गई और तेज रफ्तार कार ने बच्चे को रौंद दिया। इसके बाद विनोद सेन ने अपनी कार से मासूम को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने कार जब्त कर ली है।

उम्र से ज्यादा अपराध करने वाला आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के बिछिया थाना क्षेत्र में एक शातिर बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिसने अपनी उम्र से ज्यादा अपराध किए हैं। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ एक या दो नहीं बल्कि तीन दर्जन से अधिक गंभीर अपराध जिले के विभिन्न थानों में दर्ज है। फिलहाल एक लड़की से मारपीट की शिकायत के बाद पुलिस ने उसे चोरी की बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिसके विरुद्ध कारवाई की जा रही है। दरअसल यह कारवाई शहर की बिछिया थाना पुलिस ने की है। पुलिस के मुताबिक बेलौहन टोला निवासी विजय पासी के ऊपर हत्या, डकैती, लूट, चोरी, नकाबजनी सहित एससी एसटी के मामले भी दर्ज हैं। बताया गया कि हाल ही में बिछिया थाना क्षेत्र में आरोपी के द्वारा रश्मि गुप्ता नामक महिला के साथ घर में घुसकर मारपीट की गई थी। जिसकी शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

बुजुर्ग को अज्ञात वाहन ने मारी ठोकर, गंभीर रूप से घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दूध बेचने निकले बुजुर्ग को अज्ञात वाहन ने ठोकर मार गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना रविवार सुबह रीवा सेमरिया मार्ग स्थित गोदहा गांव की है। जहां से घायल बुजुर्ग को गंभीर हालत में संजय गांधी अस्पताल लाया गया। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग रोजाना की तरह दूध बेचने निकले थे। वापस घर लौटते वक्त किसी अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। घायल की पहचान स्थानीय राम सजीवन यादव के रूप में हुई है। जो पेशे से तो किसान है और दूध बिक्री का भी काम करते हैं। हालांकि बुजुर्ग को किस वाहन ने ठोकर मारी यह साफ नहीं हो सका है। क्योंकि बुजुर्ग सड़क पर घायल अवस्था में पाया गया जिसे आननफानन में अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका उपचार जारी है।

एमपी ट्रांसको ने कार्मिकों के गृह भाड़ा भत्ते को किया पुनरीक्षित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एम पी ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) ने रीवा समेत प्रदेश के अपने कार्मिकों के लिए गृह भाड़ा भत्ता के पुनरीक्षित आदेश जारी कर दिए हैं। एम पी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री धीरेंद्र सिंह ने बताया कि कंपनी ने मध्यप्रदेश शासन, वित्त विभाग के आदेश के अनुसार, शासकीय सेवकों के लिए निर्धारित गृह भाड़ा भत्ते के प्रावधानों को आवश्यक संशोधनों सहित अपनाया है। पुनरीक्षित गृह भाड़ा भत्ता इस प्रकार देय रहेगा।7 लाख या उससे अधिक जनसंख्या वाले नगरों में निवासरत कंपनी कार्मिकों को उनके मूल वेतन का 10 प्रतिशत गृह भाड़ा भत्ते के रूप में देय होगा। 3 लाख से अधिक लेकिन 7 लाख से कम जनसंख्या वाले नगरों में यह दर 7 प्रतिशत होगी। 3 लाख से कम जनसंख्या वाले नगरों में यह दर 5 प्रतिशत निर्धारित की गई है। जारी आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि वे कार्मिक जो कंपनी आवास में रह रहे हैं या किराया रहित कंपनी आवास में निवासरत हैं या किराया रहित आवास के बदले कोई अन्य भत्ता प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें गृह भाड़ा भत्ता देय नहीं होगा। साथ ही संविदा, तदर्थ, स्थायी-कर्मी व दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को भी इस भत्ते की पात्रता नहीं होगी।

शार्ट शर्किट से निकली चिंगारी से लगी आग, दहशत में आये ग्रामीण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत तिलखन के गुहिया गांव में आगजनी की घटना हो गई। विद्युत तार में हुए शॉर्ट सर्किट की चिंगारी से आग फैल गई। जिसके बाद ग्रामीणों ने खुद की व्यवस्था से तत्काल आग पर काबू पाने में जुट गए और घटना की सूचना दमकल वाहन को भी दी। जिसने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में सहयोग किया। जानकारी के मुताबिक शॉर्ट सर्किट से लगी आग की लपटें खेतों में पहुंचने लगी जिससे आसपास बने मकान में रहने वाले लोग भी दहशत में आ गए। आगजनी की इस घटना के दौरान खेत में काटकर रखी गई गेहूं की फसल भी जलकर खाक हो गई है, जबकि कई पेड़ों तक भी आग की लपटें पहुंची। ग्रामीणों का आरोप है कि आग लगने के दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों को भी लगातार सूचना देने का प्रयास किया गया, लेकिन किसी भी अधिकारी का फोन रिसीव नहीं हुआ जिसके चलते करंट फैलने का भी डर था।

उप मुख्यमंत्री ने डायबीटिक फुट कार्यशाला का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने सयाजी होटल में आयोजित तीसरी डायबीटिक फुट कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रीवा मेडिकल हब बनने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। बाहर जाने वाले लगभग पचास प्रतिशत जटिल रोगी अब रीवा में ही इलाज करा रहे हैं। विकसित भारत का सपना लोगों के स्वस्थ होने पर ही साकार होगा। चिकित्सा के क्षेत्र में लगातार अनुसंधान से नई तकनीकों से अधिक कारगर उपचार सुविधाएं विकसित हो रही हैं। इस तरह के आयोजनों से चिकित्सकों को आपस में संवाद करने और अपने ज्ञान को बेहतर करने का अवसर मिलता है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खान-पान की आदतों और जीवनशैली के कारण डायबिटीज का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। इसके कारण पैरों में कई तरह की जटिलता आती हैं और कई बार पैर काटने पड़ते हैं। यह कार्यशाला लोगों को जागरूक करने और रीवा में डायबीटिक फुट की प्रभावी उपचार व्यवस्था बनाने में सहायक सिद्ध होगी। कार्यशाला में चिकित्सकों ने समर्पण के भाव से जो संवाद किया है उसके सुखद परिणाम निकलेंगे। कार्यशाला से सामने आए तथ्यों को लागू करने के लिए कार्ययोजना बनाकर प्रयास करें। हम समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक स्वस्थ भारत का संदेश पहुंचाएंगे। रीवा में चिकित्सा के क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। शीघ्र ही दो सौ बेड का कैंसर अस्पताल शुरू हो रहा है। इसमें कैंसर के उपचार के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर और आधुनिकतम मशीनें रहेंगी। सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल की सुविधाओं को भी लगातार बेहतर किया जा रहा है। आयुष्मान कार्ड योजना से उपचार कराने में भी रीवा प्रदेश में सबसे आगे हैं। कार्यशाला में इंडियन कोडायट्री एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ एपी सूरी ने कहा कि 2009 में संस्था का गठन किया गया। डायबिटीज के कारण पैरों में कई तरह की समस्याएं आती हैं। इनका समय पर इलाज न होने पर पैर काटने तक की नौबत आ जाती है। संस्था का मुख्य उद्देश्य डायबिटिक फुट के उपचार की सुविधाएं मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिला स्तर पर उपलब्ध कराने की है। हम दो साल तक यदि जागरूकता अभियान चलाएं तो मध्यप्रदेश को पाँच साल में डायबिटिक फुट के रोग से मुक्त कर देंगे। समारोह में कार्यशाला के संयोजक तथा पूर्व डीन डॉ मनोज इंदुलकर ने कहा कि उप मुख्यमंत्री जी के विशेष प्रयासों से रीवा में चिकित्सा सेवाओं में तेजी से विस्तार हो रहा है। रीवा में 24 और 25 अक्टूबर को डायबिटीज पर नेशनल कान्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। वर्तमान में आबादी का लगभग 12 प्रतिशत डायबिटीज से ग्रस्त है। इसके कारण पैरों में भी समस्या आती है। कार्यशाला में देश भर से आए विशेषज्ञों ने डायबिटिक फुट के उपचार के संबंध में सारगर्भित विचार और सुझाव दिए हैं। कार्यशाला में डॉ एमआर पटेल ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में मेडिकल कालेज के डीन डॉ सुनील अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला, पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बीएल मिश्रा, डॉ उमेश मसंध, डॉ आलोक दुबे, डॉ प्रदीप निगम, डॉ लवकुश तिवारी, डॉ अनुराग चौरसिया सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।